सान्ध्य हिन्दी दैनिक | जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 329 | जौनपुर, सोमवार, 26 अगस्त 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

भक्तिभाव के साथ मनाई जाए जन्माष्टमी - मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ, संवाददाता। जन्माष्टमी के अवसर पर पूरे प्रदेश में घरों और मंदिरों के साथ–साथ पुलिस थानों, कारागारों और पुलिस लाइन में भी भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव पूरे हर्षोल्लास और भक्तिभाव से मनाया जाएगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जन्माष्टमी पर्व से पूर्व सभी रिजर्व पुलिस लाइंस, पुलिस थानों एवं कारागारों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व परंपरागत भक्तिभाव से मनाए जाने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही सीएम ने प्रदेश भर में कृष्णलीला, झांकी और शोभायात्रा के आयोजनों के दौरान वहां सुरक्षा, सफाई व अन्य व्यवस्थाएं सुचारू रूप से करने के आदेश दिए हैं। इसके अतिरिक्त भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल के प्रबंध करने के भी निर्देश दिए हैं। सीएम योगी के

निर्देशों का अनुपालन करते हुए उत्तर प्रदेश कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवा के महानिदेशक पीवी रामा शास्त्री ने प्रदेश के समस्त कारागारों में श्री कृष्ण जन्माष्टमी को परंपरागत रूप से मनाए जाने के निर्देश जारी कर दिए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जन्माष्टमी पर्व को लेकर रविवार को अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली मथुरा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़ी श्रद्धा एवं धूम–धाम से मनाया जाता है, जिसमें सम्मिलित होने के लिए देश–विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं।

मथुरा नगर स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि/शाही ईदगाह मस्जिद स्थल अत्यन्त संवेदनशील है। यह स्थल आईएसआई व विभिन्न आतंकवादी संगठनों के निशाने पर भी है। इसको देखते हुए भी विशेष सतर्कता एवं समुचित पुलिस प्रबंध किए जाएं। इसके साथ ही सीएम योगी ने पूजा अर्चना, शोभायात्रा के दौरान किसी भी तरह के विवाद की स्थिति न बने, इसको लेकर भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि विवादित स्थलों पर झांकियों को सजाने, शोभायात्रा के मार्ग में विवाद एवं नए मार्गों को लेकर अक्सर विवाद देखने को मिलते हैं। इसके साथ ही, परंपरा से हटकर कार्यक्रमों के आयोजन तथा गैरपरंपरागत जुलूसध्शोभायात्रा निकाले जाने, ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग का भी उपयोग किया जाता है। वहीं, दूसरे संप्रदाय के धार्मिक स्थलों में पूजा अर्चना के दौरान उनके करीब से शोभायात्राओं के गुजरते समय ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग, शोभायात्राओं/कार्यक्रमों के समय आपत्तिजनक टीका–टिप्पणी/नारेबाजी आदि को लेकर पूर्व में कई स्थानों पर विवाद की स्थिति सामने आई है। ऐसी स्थिति कहीं भी न बने, इसके लिए संवेदनशीलता के साथ सभी आवश्यक प्रबंध किए जाने चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

सपा ने सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत को बनाया मिल्कीपुर से प्रत्याशी

अयोध्या, संवाददाता। मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी ने प्रत्याशी को लेकर चल रही सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए अजीत प्रसाद पर दांव लगाया है। रविवार को लखनऊ पार्टी कार्यालय पर हुई जिले के सपा नेता व कार्यकर्ताओं की बैठक में अजीत प्रसाद के प्रत्याशी बनने पर आम सहमति बनने के बाद इसकी घोषणा हुई है। सभी ने एकजुट होकर मिल्कीपुर उपचुनाव जिताने का संकल्प लिया है। मिल्कीपुर विधायक रहे अवधेश प्रसाद के सांसद बनने के बाद इस सीट पर उपचुनाव होना है। सुरक्षित सीट पर पार्टी ने पहले से ही सांसद पुत्र अजीत प्रसाद को प्रत्याशी बनाने के संकेत दिए थे, फिर भी दो अन्य नेता भी दावेदारी कर रहे थे। प्रत्याशी पर अंतिम निर्णय लेने के लिए रविवार को सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने लखनऊ कार्यालय पर पार्टी के सभी पूर्व विधायकों, पदाधिकारियों, बूथ व सेक्टर एजेंटों समेत लगभग 700 लोगों के साथ बैठक की और प्रत्याशी को लेकर चर्चा की। सभी से सुझाव मांगे। इस दौरान सभी ने अजीत प्रसाद के प्रत्याशी होने पर सहमति जताई तो राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी को आपसी मतभेद भुलाकर प्रत्याशी जिताने पर जुटने का निर्देश दिया।

तीसरे दिन 30 फीसदी अभ्यर्थियों ने छोड़ी परीक्षा

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश पुलिस में सिपाही नागरिक पुलिस के 60,244 पदों पर सीधी भर्ती के लिए आयोजित लिखित परीक्षा के तीसरे दिन 29.57 फीसदी अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। हालांकि बीते दो दिन की परीक्षा के मुकाबले रविवार को करीब दो फीसद अधिक अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। इस दौरान यूपी पुलिस के दो सिपाहियों समेत परीक्षा में सेंधमारी का प्रयास करने वाले कुल 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें दो सिपाहियों समेत 5 सॉल्वर शामिल हैं। वहीं 185 अभ्यर्थी संदिग्ध पाए गए, हालांकि उन्हें परीक्षा देने की अनुमति प्रदान की गयी। उनके दस्तावेजों का उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा गहनता से परीक्षण किया जा रहा है। बता दें कि बलरामपुर में शनिवार को गिरफ्तार किए गये दोनों सिपाही दूसरे की जगह परीक्षा देने आए थे। उनको पकड़ने के बाद पुलिस मामले को दबाए रही। रविवार को दोनों को जेल भेजने के बाद डीजीपी मुख्यालय को इसका पता चला। इनमें अलीगढ़ स्थित पीएसी की 45वीं वाहिनी का सिपाही भगवान सिंह अभ्यर्थी गजेंद्र सिंह के स्थान पर परीक्षा देने आया था।

महाराष्ट्र सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए एकीकृत पेंशन योजना को मंजूरी दी

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) को लागू करने का निर्णय लिया। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक जनवरी 2004 के बाद सेवा में शामिल होने वाले 23 लाख सरकारी कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत वेतन का 50 प्रतिशत हिस्सा सुनिश्चित पेंशन के रूप में दिए जाने को शनिवार को मंजूरी दी। एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) के तहत सरकारी कर्मचारी सेवानिवृत्ति से पहले अंतिम 12 महीनों में मिले औसत मूल वेतन का 50 प्रतिशत पेंशन के रूप में पाने के हकदार होंगे। पेंशन के रूप में वेतन का 50 प्रतिशत पाने के लिए न्यूनतम सेवा अवधि 25 वर्ष होनी चाहिए। एक अधिकारी ने यहां बताया कि महाराष्ट्र मंत्रिमंडल के निर्णय के अनुसार यूपीएस इस वर्ष मार्च से प्रभावी होगा और इसका लाभ राज्य सरकार के सभी कर्मचारियों को मिलेगा। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल इस साल नवंबर में समाप्त हो रहा है और अक्टूबर–नवंबर में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। अधिकारी ने कहा, ''मंत्रिमंडल ने राज्य में अधिक किसानों के लिए निर्बाध बिजली आपूर्ति योजना का विस्तार करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। उन्हें दिन में भी बिजली आपूर्ति मिलेगी। मंत्रिमंडल ने 7,000 करोड़ रुपये की नार–पार–गिरणा नदी जोड़ो योजना को मंजूरी दे दी है।

पीएम ने वर्ष 2047 तक देश को नशा मुक्त बनाने का संकल्प किया

रायपुर, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि मादक पदार्थों का अवैध कारोबार ना केवल भारत के लिए चुनौती है, बल्कि यह एक अंतरराष्ट्रीय समस्या है। उन्होंने कहा कि दृढ़ संकल्प एवं रणनीति के साथ देश इस समस्या से पार पा सकता है। शाह ने नवा रायपुर के एक होटल में छत्तीसगढ़ में मादक पदार्थों के परिदृश्य पर एक बैठक को संबोधित किया। इस दौरान शाह ने मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ लड़ाई में सफलता प्राप्त करने के लिए मादक पदार्थों का पता लगाने, नेटवर्क को नष्ट करने, अपराधी को हिरासत में लेने और नशे के आदी लोगों का पुनर्वास' करने के चार सूत्रों पर जोर दिया। शाह ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक देश को नशा मुक्त बनाने का संकल्प किया है, जब देश की आजादी का 100 वां वर्ष मनाया जाएगा। धीरे–धीरे यह संकल्प 130 करोड़ आबादी का संकल्प बन गया है। मेरा मानना है कि नशा मुक्त भारत का संकल्प एक समृद्ध, सुरक्षित और गौरवशाली भारत बनाने में बहुत महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने कहा, ''अवैध मादक पदार्थों का कारोबार ना केवल भारत के लिए एक चुनौती है, बल्कि यह एक अंतरराष्ट्रीय समस्या है। मेरा मानना है कि देश में लोगों को इसके प्रति जागरूक करने की ज्यादा जरूरत है। अगर हम दृढ़ संकल्प और रणनीति के साथ लड़े तो हम यह लड़ाई जीत सकते हैं। मुझे कहने में झिझक नहीं है कि कई देश इसके खिलाफ अपनी लड़ाई हार चुके हैं।'' शाह ने कहा,''मादक पदार्थों के अवैध व्यापार का उद्देश्य ना केवल युवाओं को बर्बाद करना है बल्कि मादक पदार्थों के व्यापार से उत्पन्न अवैध धन का उपयोग राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में भी किया जाता है। यह हमारी राष्ट्रीय जिम्मेदारी भी है कि कतई बर्दाश्त नहीं करने (जीरो टॉलरेंस) की नीति के साथ देश को नशा मुक्त बनाया जाए।'' केंद्रीय मंत्री ने छत्तीसगढ़ में मादक पदार्थों के उपयोग पर भी चिंता व्यक्त की और कहा, ''छत्तीसगढ़ में मादक पदार्थों के दुरुपयोग का प्रतिशत 1.45 है जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है। छत्तीसगढ़ की सीमा ओड़िशा और आंध्र प्रदेश सहित सात राज्यों से लगती है, जहां से मादक पदार्थों की तस्करी की जाती है।'' उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में 4.98 प्रतिशत गांजे का नशे के लिए उपयोग किया जाता है जो राष्ट्रीय औसत 2.83 प्रतिशत से अधिक है, जो हमारे लिए चिंता का विषय है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ड्रग तस्कर अपना तरीका बदल रहे हैं और प्राकृतिक दवाओं से सिंथेटिक दवाओं की ओर जा रहे हैं, जिससे सबसे अधिक नुकसान होता है। उन्होंने मादक पदार्थों के व्यापार नेटवर्क को खत्म करने के लिए 'ऊपर से नीचे' और 'नीचे से ऊपर' दृष्टिकोण के साथ वैज्ञानिक जांच पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया। शाह ने कहा, यदि किसी छोटी सी दुकान में मादक पदार्थ का एक पैकेट मिलता है, तो हमें जांच करनी होगी कि यह कहां से आया और कहां बनाया गया। इस पूरी व्यवस्था की पृष्ठभूमि को खत्म करने के लिए हमें वैज्ञानिक तरीके से जांच करने की आदत डालनी होगी। हमें ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर का दृष्टिकोण अपनाना होगा।

राजस्थान उच्च न्यायालय के प्लेटिनम जुबली समारोह में शामिल हुए पीएम मोदी

राजस्थान, एजेसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जोधपुर में आयोजित

राजस्थान उच्च न्यायालय के प्लेटिनम जुबली समारोह में भाग लेने पहुंचे। इस दौरान राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी स्टेज पर उपस्थित रहे। यहां पीएम मोदी ने राजस्थान उच्च न्यायालय के संग्रहालय का उद्घाटन किया। इसके बाद अपने संबोधन में पीएम ने कहा कि मुझे खुशी है कि मैं आज राजस्थान उच्च न्यायालय के प्लेटिनम जुबली समारोह में आप सबके बीच उपस्थित हूं। राजस्थान हाइकोर्ट के 75 वर्ष ऐसे समय में हुए हैं, जब हमारा संविधान भी अपने 75 वर्ष पूरे करने जा रहा है। इसलिए ये अनेक महान लोगों की न्याय–निष्ठा और योगदानों को सेलिब्रेट करने का उत्सव भी है। पीएम ने कहा, राजस्थान हाइकोर्ट के अस्तित्व से हमारे राष्ट्र की एकता का इतिहास जुड़ा है। आप सब जानते हैं, सरदार पटेल ने जब 500 से ज्यादा रियासतों को जोड़कर देश को एक सूत्र में पिरोया था, तो उसमें राजस्थान की भी कई रियासतें थीं। जयपुर, उदयपुर और कोटा जैसी कई रियासतों के अपने हाइकोर्ट भी थे। इनके इंटिग्रेशन से राजस्थान हाइकोर्ट अस्तित्व में आया यानी राष्ट्रीय एकता ये हमारे जुडिशियल सिस्टम का भी फॉउन्डिंग स्टोन है। ये फॉउन्डिंग स्टोन जितना मजबूत होगा, हमारा देश और देश की व्यवस्थाएं भी उतनी ही मजबूत होंगी। पीएम ने कहा, मेरा मानना है, न्याय हमेशा सरल और स्पष्ट होता है, लेकिन कई बार प्रक्रियाएं उसे मुश्किल बना देती हैं। ये हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम न्याय को ज्यादा से ज्यादा सरल और स्पष्ट बनाएं और मुझे संतोष है कि देश ने इस दिशा में कई ऐतिहासिक और निर्णायक कदम उठाये हैं। उन्होंने आगे कहा, हमने पूरी तरह से अप्रासंगिक हो चुके सैकड़ों कोलोनियल कानूनों को रद्द किया है। आजादी के इतने दशक बाद गुलामी की मानसिकता से उबरते हुये देश ने इंडियन पीनल कोड की जगह भारतीय न्याय संहिता को अडॉप्ट किया है। पीएम मोदी ने कहा, देश के सपने भी बड़े हैं, देशवासियों की आकांक्षाएं भी बड़ी हैं। इसलिए जरूरी है कि हम नए भारत के हिसाब से नए इनोवेशन करें और अपनी व्यवस्थाओं को आधुनिक बनाएं। ये 'जस्टिस फॉर ऑल' के लिए भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने कहा, आज देश में 18 हजार से ज्यादा कोर्ट्स कम्प्यूटराइज्ड हो चुकी हैं।

भारत सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन के दूसरे दौर में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल होंगे शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल सोमवार को सिंगापुर में आयोजित होने वाले दूसरे भारत सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज (आईएस एमआर) सम्मेलन में शामिल होंगे। इस दौरान वह द्विपक्षीय बैठकें करेंगे और सिंगापुर के साथ भारत के व्यापार और निवेश संबंधों को और बढ़ाने के लिए प्रमुख वैश्विक व्यापारिक हस्तियों के साथ बातचीत करेंगे। बता दें कि आईएसएमआर सम्मेलन में पीयूष गोयल के अलावा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री जयशंकर और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी हिस्सा लेंगे। दोनों देशों के लिए यह सम्मेलन बेहद खास है। सम्मेलन के दौरान पीयूष गोयल सिंगापुर में डीबीएस बैंक, टेमासेक होल्डिंग्स, ओमर्स, केपेल इंफ्रास्ट्रक्चर और ओनर्स फोरम सहित प्रमुख वैश्विक व्यापारिक गणों के साथ बातचीत करेंगे। गोयल भारत के उभरते बाजार अवसरों और इसके गतिशील विकास

पथ पर द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने की रणनीतियों पर चर्चा करेंगे। ज्ञात हो कि आईएसएमआर भारत–सिंगापुर के द्विपक्षीय संबंधों में एक नया एजेंडा निर्धारित करने हेतु स्थापित एक महत्वपूर्ण तंत्र है। साल 2022 में नई दिल्ली में सितंबर माह में इसकी पहली बैठक आयोजित की गई थी। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि दूसरी दौर की बैठक दोनों पक्षों को अपनी रणनीतिक साझेदारी के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा करने और इसे और आगे बढ़ाने और व्यापक बनाने के लिए नए रास्ते तलाशने में सक्षम बनाएगी।

पूर्णिया हवाई अड्डे पर 'सिविल एन्क्लेव' के काम में तेजी लाये – सीएम नीतीश

बिहार, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को अधिकारियों को पूर्णिया जिले में भारतीय वायुसेना के हवाई अड्डे पर 'सिविल एन्क्लेव' के विकास के लिए निर्माण कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया।

कुमार ने दिन में संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चूनापुर वायुसेना के हवाई अड्डे पर 'सिविल एन्क्लेव' के जारी निर्माण कार्य का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री ने एक समीक्षा बैठक की भी अध्यक्षता की। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, पूर्णिया के जिलाधिकारी कुंदन कुमार ने मुख्यमंत्री के समक्ष संपर्क मार्गों के निर्माण कार्य और चूनापुर हवाई अड्डे पर रनवे के विकास पर एक प्रस्तुति दी।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सहयोग से किए जा रहे रनवे और अन्य कार्यों के लिए राज्य सरकार पहले ही जमीन आवंटित कर चुकी है। बयान में कहा गया है,

''मुख्यमंत्री ने कहा कि जब पूर्णिया हवाई अड्डे पर 'सिविल एन्क्लेव' का संचालन किया जाएगा, तो लोगों को देश के अन्य स्थानों तक पहुंचने के लिए उड़ान लेने के लिए बागडोगरा जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

रक्षामंत्री राजनाथ ने किया अमेरिकी नौसेना के सरफेस वॉरफेयर सेंटर का दौरा

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिका के विलियम बी मॉर्गन लार्ज कैविटेशन चौनल (एलसीसी) का दौरा किया है। अमेरिका के टेनेसी में नौसेना के सरफेस वॉरफेयर सेंटर में यह चौनल है। यह चौनल दुनिया की सबसे वृहद एवं तकनीकी रूप से सर्वाधिक उन्नत जल सुरंगों में से एक है। यह अमेरिका का वह केंद्र है जहां पर पनडुब्बियों, टारपीडो और नौसेना के जहाजों तथा प्रोपेलरों का परीक्षण किया जाता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सुरंग के वास्तविक प्रयोग से अवगत कराया गया। इस मौके पर उनके साथ अमेरिका में भारत के राजदूत, भारतीय नौसेना के महानिदेशक,

नौसेना संचालन कर्मी और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) से रक्षा प्रौद्योगिकी परामर्शदाता सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। मंत्रालय ने बताया कि इस विजिट के दौरान अमेरिकी नौसेना के उप–अवर सचिव ने राजनाथ सिंह का स्वागत किया। अमेरिका के इस सतही युद्धक केंद्र के कमांडर तथा तकनीकी निदेशक ने तमाम उपयोगी जानकारी भारतीय रक्षा मंत्री के साथ साझा की।

रक्षा मंत्रालय का कहना है कि भारत और अमेरिका की इस महत्वपूर्ण चर्चा का उद्देश्य भारत में स्वदेशी डिजाइन और विकास के उद्देश्य से इस प्रकार की सुविधाओं की शुरुआत और प्रस्तावों में सहयोग करना भी है। राजनाथ सिंह इस दौरे पर अमेरिका में रक्षा उद्योग से जुड़ी अमेरिकी कंपनियों के साथ भी मुलाकात कर चुके हैं। जिन अमेरिकी रक्षा कंपनियों से उन्होंने चर्चा की है उनमें बोइंग, जीई, जनरल एटॉमिक्स, जनरल डायनेमिक्स लैंड सिस्टम्स, एल3 हैरिस, लॉकहीड मार्टिन, रेथियॉन टेक्नोलॉजीज, रॉल्स रॉयस और थायरमहान जैसी प्रमुख अमेरिकी रक्षा और प्रौद्योगिकी कंपनियां शामिल हैं। रक्षा मंत्री अमेरिका की चार दिवसीय यात्रा पर हैं। इस यात्रा के दौरान उन्होंने अपने अमेरिकी समकक्ष के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की है।

हम नया संगठन बनाएंगे – चंपई सोरेन

रांची, एजेंसी। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने शनिवार को सरायकेला का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम संगठन बनाएंगे और नए दोस्त के साथ झारखंड के विकास के लिए काम करेंगे। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने अपने सियासी कदम से राज्य की राजनीति को बदलने का मन बना लिया है। इसी सिलसिले में उन्होंने झारखंड के सरायकेला का दौरा किया और इस दौरान अपने आगामी राजनीति कदम का संकेत दिया। चंपई सोरेन ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा, ष्मैं नया अध्याय शुरू करने जा रहा हूं, आप सभी के प्रेम ने हमारे मन को और ज्यादा मजबूत कर दिया है। कुछ दिनों में हम संगठन बनाने जा रहे हैं। एक नए दोस्त के साथ आगे बढ़ेंगे। हम सब मिलकर झारखंड को संवारने और सजाने का काम करेंगे। हमारा प्रयास रहेगा कि झारखंड के सभी परिवार को सम्मान मिले। उन्होंने आगे कहा कि मुझे पांच महीने काम करने का मौका मिला। इस दौरान किए गए कार्य आईने की तरह साफ हैं, सभी ने देखा की एक सरकार को इस तरीके से काम करना चाहिए। हर विभाग को एक्टिव कर दिया था, कोई भी दो नंबर का काम नहीं होता था। क्राइम को रोकने के लिए हमने काम किया, हमें विश्वास है कि जैसे जनता का प्यार अब तक मिला, वैसे ही आगे भी मिलता रहेगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि जिस संगठन को अपने खून–पसीने से सींचा, उस पार्टी ने वो सम्मान नहीं दिया। इसलिए अब नया इतिहास लिखने निकला हूं। हमने टाटा जैसी कंपनी से लोहा लिया।

संपादकीय

धर्मनिरपेक्षता

शब्द, शब्द, शब्द– शोर और गुस्से से भरी राजनीति में कई अर्थ रखते हैं। शब्द क्षणों और विचारधाराओं को परिभाषित करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस के भाषण में वैचारिक रूप से असंगत शब्द का चयन राजनीतिक पंडितों और चापलूसी करने वाले प्रभावशाली लोगों दोनों को हैरान कर गया। उन्होंने श्धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिताश (एससीसी) शब्द गढ़कर एक नई वैचारिक धारा को आगे बढ़ाया। उन्होंने घोषणा की, ष्ऐसे कानून जो हमारे देश को धर्म के आधार पर विभाजित करते हैं और भेदभाव को बढ़ावा देते हैं, उनका आधुनिक समाज में कोई स्थान नहीं है। इसलिए, मैं जोर देकर कहता हूं कि देश के लिए धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता की मांग करने का समय आ गया है... कई आदेश जारी किए गए हैं, जो हमारी आबादी के एक महत्वपूर्ण हिस्से की धारणा को दर्शाते हैं – और सही भी है – कि वर्तमान नागरिक संहिता सांप्रदायिक नागरिक संहिता जैसी है, जो भेदभावपूर्ण है। उन्होंने अफसोस जताया कि भारत, 75 साल से सांप्रदायिक नागरिक संहिता के पीछे पड़ा हुआ है, उसे धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता की ओर बढ़ना चाहिए। मोदी को अच्छी बहस पसंद है। अगर उनका लक्ष्य देश भर में हंगामा मचाना या उनके नए गढ़े गए कथानक के लिए समर्थन जुटाना था, तो उन्होंने इसे भरपूर मात्रा में हासिल किया। हाइब्रिड अहंकार के बीज बोए गए, जिसमें किसी बाहरी मान्यता या परामर्श की आवश्यकता नहीं थी। संघ परिवार के कट्टर समर्थक ब्रिगेड को नए एससीसी के महत्व को समझने में कठिनाई हो रही है। जब से आरएसएस ने जनसंघ और फिर भारतीय जनता पार्टी का गठन किया है, भगवा ब्रिगेड समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू करने के मुद्दे पर चुनाव दर चुनाव लड़ रहा है। अपने घोषणापत्रों में यूसीसी और अनुच्छेद 370 को हटाने को गैर–परक्राम्य आज्ञाएँ बताया। इस बीच, विपक्ष, जिसकी आधारशिला धर्मनिरपेक्षता है, इस शब्द के साथ पीएम के अचानक रोमांस को भारत के राजनीतिक विमर्श को निर्देशित करने की उनकी घटती शक्ति के प्रतिबिंब के रूप में देखता है। दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के नंबर एक द्वारा धर्मनिरपेक्षता के लिए सार्वजनिक विश्वसनीयता बहाल करने के लिए एक मौखिक मोड़ ने उनके इरादों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। भाजपा के संसदीय अभियान के दौरान, इसके शीर्ष नेताओं ने यूसीसी को एकमात्र राष्ट्रीय एकीकरणकर्ता के रूप में चित्रित किया। अल्पसंख्यकों को विशेष अधिकार मिलने के मुद्दे को लक्षित करके, भाजपा ने धार्मिक संबद्धताओं के आधार पर कथा को ध्रुवीकृत करने के लिए सबसे शक्तिशाली उपकरण के रूप में यूसीसी का नियमित रूप से इस्तेमाल किया है। अब, मोदी ने खुद ही विवरण में जाए बिना ध र्मनिरपेक्ष बनाम सांप्रदायिक संहिता के बारे में बहस का आह्वान किया है। न तो उन्होंने, न ही उनके मंत्रियों और न ही पार्टी के नेताओं ने एससीसी की रूपरेखा का खुलासा किया है, जिससे संघ परिवार के कट्टर सदस्य भ्रम के सागर में डूबे हुए हैं। जहां गूढ़ इरादे हैं, वहां आविष्कारशील व्याख्या अपरिहार्य है। मोदी के विरोधि ायों को लगता है कि इस तरह की धर्मनिरपेक्षता न केवल सहयोगी टीडीपी और जेडी(यू) बल्कि कांग्रेस को भी चुप कराती हैरू एक रणनीतिक दोहरी मार। चूंकि पीएम के पास अब गणितीय बहुमत की शक्ति नहीं है, इसलिए यह वाक्यांश उनकी एजेंडा–निर्माता छवि को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध एक चतुर संयोजन था। यह पुष्टि करके कि भारत को गंभीर धर्मनिरपेक्ष चिंतन के लिए एक सार्वजनिक मंच की आवश्यकता है, मोदी ने अपने कार्यकर्ताओं के लिए भाजपा की अति–कठोर लेकिन अधूरी प्रतिबद्धताओं में से एक को अस्थायी रूप से दफना दिया है। भाजपा शासित उत्तराखंड, मध् य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और हरियाणा ने या तो यूसीसी पर कानून पारित कर दिया है या ऐसा करने की अपनी मंशा की घोषणा की है। आरएसएस के बड़े नेता आंतरिक बैठकों में विभिन्न हितधारकों से इस पर जल्द से जल्द कार्रवाई करने का आग्रह कर रहे हैं। भाजपा के अंदरूनी सूत्र धर्मनिरपेक्षता पर प्रहार को मोदी का मास्टरस्ट्रोक बताते हैं, ताकि वे अल्पावधि में अपनी स्थिति मजबूत कर सकें और दीर्घावधि ा में नियंत्रण वापस पा सकें। इसलिए, यह समझ में आता है कि उनकी सरकार, जिसे अपनी कई पहलों को कमजोर करने या वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है, वह केक खाने के बारे में सोच रही है। मसौदों पर काम चुनावों से बहुत पहले शुरू हो गया था, क्योंकि भाजपा को अपने पक्ष में भारी जनादेश की उम्मीद थी। अफसोस की बात है कि वक्फ बोर्ड अधिनियम को कमजोर करने के लिए विधेयक पेश करने के बाद, सरकार ने एनडीए सहयोगियों के कड़े विरोध के कारण इसे संयुक्त संसदीय समिति को भेज दिया। इसने सरकार में तीसरी बार डोमेन विशेषज्ञों के प्रवेश की अनुमति देने का फैसला किया है। मोदी को हिम्मत दिखानी पड़ी और यू–टर्न लेना पड़ा। बाबुओं के बीच लेटरल एंट्री के खिलाफ हाल ही में यूपीएससी के विज्ञापन से नाराजगी पैदा हुई, जिसमें 24 केंद्रीय मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव के पदों पर "लेटरल भर्ती के लिए प्रतिभाशाली और प्रेरित भारतीय नागरिकों" से 45 पदों के लिए आवेदन मांगे गए थे। बेवजह, विज्ञापन ने जाति–आधारित आरक्षण को नजरअंदाज करते हुए एक विशेष दर्जा बरकरार रखा, क्योंकि "सभी पद बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्तियों के लिए उपयुक्त हैं। धोखा धड़ी वाली भर्ती के कई मामले उम्मीद के वैचारिक खंडहरों में मकड़ी के जाले की तरह उभर रहे हैं।

निवेशकों की सुरक्षा करें, बाजारों की अखंडता बनाए रखें

आदित्य

श्रीधर रेड्डी द्वारा अदानी समूह से जुड़ी खबरों और हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा लगाए गए आरोपों ने न केवल कॉर्पोरेट प्रशासन के बारे में बल्कि हमारी वित्तीय विनियामक प्रणाली की अखंडता के बारे में भी महत्वपूर्ण चिंताएँ पैदा की हैं। जब मैं इन घटनाओं को देखता हूँ, तो मुझे बेचैनी का एहसास होता है क्योंकि मैं उन निवेशकों के लिए निहितार्थों पर विचार करता हूँ जिनकी मेहनत की कमाई दांव पर लगी है। अठारह महीने पहले, हिंडनबर्ग रिसर्च ने अदानी समूह के भीतर धोखाधड़ी की गतिविधियों का आरोप लगाते हुए एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसके कारण अदानी के शेयरों में भारी गिरावट आई। इस गिरावट ने न केवल संस्थागत निवेशकों को बल्कि उन व्यक्तिगत शेयर धारकों को भी प्रभावित किया, जिन्होंने इन कंपनियों पर अपना पैसा लगाया है। जबकि अदानी समूह ने इन आरोपों का दृढ़ता से खंडन किया, लेकिन इसके प्रभाव पूरे बाजार और कई निवेशकों के दिलों में महसूस किए गए। हिंडनबर्ग रिटर्न अब जब हिंडनबर्ग रिटर्न ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की अध्यक्ष पर अदानी से जुड़े फंड के साथ उनके संबंधों के कारण हितों के टकराव का आरोप लगाया है, तो मैं हमारी विनियामक निगरानी की पर्याप्तता पर सवाल उठाने के लिए बाध्य हूँ। क्या हम इस बात पर भरोसा कर सकते हैं कि भारतीय निवेशकों की सुरक्षा के लिए बनाया गया निकाय हमारे सर्वोत्तम हित में काम कर रहा है? क्या किसी नियामक प्रमुख के लिए ऐसे संबंध रखना स्वीकार्य है जो संभावित रूप से निष्पक्षता से समझौता कर सकते हैं? मैं घरेलू और विदेशी निवेशकों को भेजे जाने वाले संदेश के बारे में चिंतित हूंरू क्या हम पारदर्शिता का माहौल बना रहे हैं, या हम भ्रम और अविश्वास का माहौल बना रहे हैं? जब ऐसे गंभीर आरोपों का सामना करना पड़ता है, तो हम सेबी और सरकार से त्वरित और संतोषजनक प्रतिक्रिया की उम्मीद करते हैं। मेरे विचार से लंबे समय तक अनिश्चितता आम नागरिकों में चिंता पैदा करती है जो अपने वित्तीय भविष्य को लेकर चिंतित रहते हैं। इस उथल–पुथल का सामना कर रहे निवेशकों को क्या आश्वासन दिया जा सकता है? पैसा महज एक वस्तु नहीं हैय यह असंख्य व्यक्तियों की आशाओं, आकांक्षाओं और सुरक्षा का प्रतिनिधित्व करता है। वित्तीय नुकसान का डर वास्तविक और मूर्त है। यह आवश्यक है कि सरकार निवेशकों के विश्वास को प्राथमिकता दे और इन घटनाओं के कारण होने वाली किसी भी गलत सूचना या कुप्रबंधन को सुधारने के लिए ठोस प्रयास करे। उदासीन सरकार अब, मैं खुद को यह सवाल करते हुए पाता हूं कि केंद्र सरकार वास्तव में इस मामले में क्या कर रही है। स्थिति गंभीर होती दिख रही है, फिर भी सरकार कोई निर्णायक कदम नहीं उठा रही है। उन्हें हिंडनबर्ग रिपोर्ट की गहन जांच करनी चाहिए और उल्लिखित कंपनियों के साथ–साथ सेबी की भी जांच करनी चाहिए। यदि आरोप निराधार हैं, तो हमें उन शॉर्ट सेलर्स के खिलाफ कदम उठाना चाहिए जो हमारी बाजार अखंडता को कमजोर करने का प्रयास करते हैं। भारत को विदेशी संस्थानों की ऐसी चालों के लिए आसान लक्ष्य के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। जब आम जनता प्रभावित हो रही है, तो सरकार चुप क्यों है? निष्क्रियता का यह पैटर्न चिंताजनक है। इसके अलावा, जब हम सेबी के नेतृत्व का आकलन करते हैं, तो हमें सवाल करना चाहिए

कि सरकार ऐसे व्यक्तियों को क्यों नियुक्त करती है जिनकी निष्पक्षता संदेह में है। क्या निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए कोई योग्य उम्मीदवार नहीं हैं? जनता की निराशा के बावजूद भी सरकार विभिन्न बोर्डों में सही लोगों को नियुक्त करने में बार–बार विफल क्यों हो रही है? नियुक्तियों में चल रहा पक्षपात हमारे नियामक निकायों की अखंडता के बारे में गंभीर चिंताएँ पैदा करता है, एक समस्या जो कई विभागों तक फैली हुई है। एनडीए सरकार लगातार सक्षम पेशेवरों की तुलना में व्यक्तिगत संबंधों वाले व्यक्तियों को क्यों चुन रही है? यह पैटर्न योग्यता के बजाय संरक्षण के लिए परेशान करने वाली प्राथमिकता का संकेत देता है। सार्वजनिक स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल और वित्त जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में, इस तरह की प्रथाओं से अकुशलता, भ्रष्टाचार और जनता का विश्वास खत्म होता है। क्या हम ऐसी व्यवस्था को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं, जहाँ राजनीतिक निष्ठा विशेषज्ञता से ज़्यादा महत्वपूर्ण है? यह प्रवृत्ति न केवल हमारे संस्थानों को कमजोर करती है, बल्कि राष्ट्रीय प्रगति में भी बाधा डालती है। राजनीतिक लाभ इसके अलावा, सत्तारूढ़ भाजपा और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस इन महत्वपूर्ण मुद्दों से निपटने में एक चिंताजनक पैटर्न प्रदर्शित करते हैं। सत्तारूढ़ दल अक्सर इन विषयों को टाल देता है, निवेशकों की जरूरी चिंताओं को वास्तव में संबोधित करने में विफल रहता है। इसी तरह, कांग्रेस राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देने के बजाय राजनीतिक लाभ के लिए ऐसी स्थितियों का उपयोग करती है। यह गतिशीलता विभिन्न स्थितियों में स्पष्ट रूप से देखी गई है, जहाँ दोनों पक्ष अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने में विफल रहे हैं। जब राजनीतिक स्थिति समस्या–समाधान पर हावी हो जाती है, तो यह वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाती है, जनता के बीच भ्रम और अविश्वास को बढ़ावा देती है, और अंततः निवेशकों के विश्वास को खघ्तरे में डालती है और हमारी अर्थव्यवस्था की नींव को कमजोर करती है। इन अनिश्चित समय में, आइए हम सामूहिक रूप से एक ऐसे वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र के लिए प्रयास करें जो हर भारतीय के लिए विश्वास और सुरक्षा पैदा करे। दांव बहुत ऊंचे हैं और नतीजे इतने बड़े हैं कि आत्मसंतुष्टि की गुंजाइश नहीं है। यह समय हमारे निवेशकों की सुरक्षा और हमारे बाजारों की अखंडता को बनाए रखने के लिए गंभीर चिंतन और तत्काल कार्रवाई का है।

भारत का लोकतंत्र सर्वोच्च अदालत के भरोसे

विनोद

भारत का लोकतंत्र सर्वोच्च अदालत के भरोसे है। वह ही आम आदमी को, अंततः, इंसाफ देती है। यदि सर्वोच्च अदालत न होती, तो देश का आम आदमी कराहते, चिल्लाते, इधर–उधर धक्के खाते हुए जीवन के अंत तक पहुंच सकता था! भारत में भी 'जंगल–राज' का माहौल होता! आज सर्वोच्च अदालत है, तो आम आदमी की उस तक पहुंच बेहद पेचीदा और महंगी है। ऐसे मुट्ठी भर मामले होंगे, जिनका शीर्ष अदालत स्वतरू संज्ञान लेती है और फिर पीडिघ्त पक्ष की लड़ाई लड़ते हुए उसे न्याय देने की कोशिश करती है। लोकतंत्र की जिम्मेदारी और जवाबदेही न्यायपालिका की ही नहीं है। उसके लिए विधायिका की बुनियादी जिम्मेदारी है, लेकिन विधायक हो अथवा सांसद हो, उन्हें इस जिम्मेदारी का एहसास तक नहीं है। बस, उन्हें ईवीएम का बटन दबाने के लिए ही जनता की दरकार है, लिहाजा वे पांच सा ल के कार्यकाल के बाद, कुछ दिनों के लिए, जनता की मनुहार और गुहार करते हैं। उसके बाद जनता की मदद का संदर्भ आता है, तो वे गायब हो जाते हैं। जनता के एक–एक वोट से ही विधायक और सांसद चुने जाते हैं। हमें लगता है कि बस, जनता का दायित्व वोट तक सिमट कर रह गया है। अब औसत मतदाता, अर्थात देश का नागरिक, 'ह्यूमन वोटिंग मशीन' बनकर रह गया है। अदालतों को जनता के वोट नहीं चाहिए, लेकिन न्यायाधीशों के भीतर आम आदमी, न्याय और सामाजिक–विधिक व्यवस्था अब भी जिंदा हैं। वे देश को 'केला गणतंत्र' बनने से बचाना चाहते हैं। वे लोकतंत्र के प्रहरी हैं। वे अपराधियों, बलात्कारियों, व्यभिचारियों, हत्यारों और माफिया आदि को कानून के अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचाने और दंडित करने के पक्षधर हैं। कोलकाता अस्पताल रेप–मर्डर कांड को ही लें। सर्वोच्च अदालत देश भर के डॉक्टरों की लड़ाई लड़ रही है, लिहाजा उसकी आग्रहपूर्ण अपील पर डॉक्टरों और उनके संगठनों ने हड़ताल खत्म कर दी है। अदालत का यह आग्रह मानवीय सरोकार वाला था, क्योंकि असंख्य मरीज इलाज के अभाव में तड़प रहे थे। कुछ भी अनहोनी हो सकती थी। शायद कोई त्रासदी हुई भी हो! डॉक्टरों को भी, अंततरू, मानवीय दायित्व का एहसास हुआ। इस केस का सर्वोच्च अदालत ने स्वतरू संज्ञान लिया है। न्यायिक पीठ कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल की युवा ट्रेनी डॉक्टर के साथ बर्बर बलात्कार और निर्मम हत्या की सुनवाई तो कर रही है। बंगाल की सरकार और पुलिस की नालायकी, लापरवाही, अराजकता, सांठगांठ के मद्देनजर उन्हें जवाबदेही पर टांग भी दिया है। इसके साथ–साथ अस्पतालों की चाक–चौबंद सुरक्षा के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव को आदेश दिए हैं। वह राज्यों के मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों से संवाद कर अकाट्य सुरक्षा–तंत्र लागू करेंगे। कोलकाता के दागदार अस्पताल में सीआईएसएफ के जवान तैनात हो चुके हैं। देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस चंद्रचूड़ ने डॉक्टरों की 36 और 48 घंटे की निरंतर ड्यूटी को 'अमानवीय' करार दिया है। जाहिर है कि शीर्ष अदालत के हस्तक्षेप से यह व्यवस्था भी बदलेगी। यदि एक शिक्षित और पेशेवर व्यक्ति की नियति यही है, तो वह शिक्षा और हुनर बेमानी हैं। सर्वोच्च अदालत ने करीब 24 लाख छात्रों की नीट परीक्षा के संदर्भ में भी कमाल का फैसला दिया।

शाहबानो से तीन तलाक और मौजूदा यौन दरिंदगी के मामलों तक सर्वोच्च अदालत ने ही आम आदमी और समाज को बचाया है। जन–प्रतिनिधियों की संसद ने या तो शीर्ष अदालत और संविधान पीठ के फैसले पलटे हैं अथवा सदनों में शोर मचाया है। क्या जन–प्रतिनिधि आम आदमी को इसी तरह बचाएंगे और अपने मतदाता की रक्षा करेंगे। कोलकाता रेप–मर्डर केस में राजनीति दोफाड़ हुई है और उंगलियां तोड़ देने तक की हुंकार भरी गई है। सर्वोच्च अदालत ने चुनावी बॉन्ड सरीखे मुद्दों पर फैसला दिया है और पूरी विधायिका, कार्यपालिका को बेनकाब किया है। राजनीतिक भ्रष्टाचार और अनुच्छेद 356 के दुरुपयोग सरीखे मामलों में भी शीर्ष अदालत ने 'न्याय' किया है। कुछ अपवाद सर्वोच्च अदालत में भी हो सकते हैं, कुछ फैसले भी सवालिया हो सकते हैं, लेकिन समग्रता में हमारा देश सर्वोच्च अदालत के ही भरोसे है।

नीतिगत निर्णयों पर पीएम मोदी के यू–टर्न के लिए

ललित

एक व्यक्ति की पहचान उसकी संगति से होती है। इसलिए जब केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने कई नीतिगत फैसलों पर तेजी से यू–टर्न लेना शुरू किया – तीसरी बार सत्ता में आने के बाद से दो महीनों में चार यू–टर्न – तो भारतीय जनता पार्टी के समर्थक परेशान हो गए। वापसी के पीछे के कारणों की तलाश करते हुए, उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष, नीतीश कुमार के साथ मोदी की निकटता पर ध्यान केंद्रित किया। एक वरिष्ठ भाजपा नेता को अपने अनुयायियों से यह कहते हुए सुना गया कि, ष्यह उनके ख्कुमार, साथ दोस्ती का प्रभाव है। कुमार समकालीन राजनीति में मूल यू–टर्न मेकर हैं और उन्हें इस बारे में कोई पछतावा नहीं है। उनकी खूबी मोदी पर भी असर डाल रही है।ष एक अन्य ने चुटकी लेते हुए कहा कि इस तरह के बैक–ट्रैकिंग के कारण मोदी ने कुमार की जगह ले ली है और सोशल मीडिया पर उनके कलाबाजियों के बारे में चुटकुले प्रसारित हो रहे हैं, जैसे कि राजमार्गों पर यू–टर्न के संकेत के रूप में कुमार की तस्वीर का इस्तेमाल करना। हालांकि, घटनाओं का यह मोड़ कुछ पार्टी नेताओं को पसंद नहीं आया। उन्होंने मोदी के सलाहकारों, जिनमें अमित शाह भी शामिल हैं, की भूमिका पर सवाल उठाए हैं, जो ऐसी योजनाएं ला रहे हैं, जबकि सरकार जेडी(यू) और तेलुगु देशम पार्टी की बैसाखी पर टिकी हुई है। आश्चर्य है कि क्या दिल्ली के राजपथ पर इस तरह के और भी यू–टर्न होंगे। बकवास पिछले एक पखवाड़े में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन की गतिविधियों में तेजी और गुवाहाटी में अचानक आई बाढ़ से लेकर स्मार्ट मीटर की वजह से बढ़े हुए बिजली बिलों के विरोध तक, असम सरकार की कड़ी आलोचना हुई है। सीएम हिमंत बिस्वा सरमा के व्यवहार की तीखी आलोचना की गई है। प्रेस से बातचीत के दौरान सरमा ने गुवाहाटी में जलभराव के लिए एक निजी विश्वविद्यालय यूएसटीएम द्वारा पहाड़ी काटने को जिम्मेदार ठहराने की कोशिश की। इस पर जब एक मुस्लिम पत्रकार ने उनसे उनके अपने निर्वाचन क्षेत्र जालुकबारी में पहाड़ी कटाई के बारे में पूछा, तो सरमा ने यह सुझाव देकर सवाल को टालने की कोशिश की कि रिपोर्टर का यूएसटीएम चांसलर, जो खुद भी मुस्लिम हैं, के साथ संबंधों के कारण निहित स्वार्थ था। अधिकांश मीडिया निकायों ने सरमा को एक पत्रकार के प्रति उनके "अस्वीकार्य" व्यवहार के लिए बुलाया। यह उम्मीद की जाती है कि यह घटना सत्ता में बैठे लोगों के लिए एक सबक के रूप में काम करेगी कि सार्वजनिक रूप से क्या और कैसे कहा जाए। आंतरिक दुश्मन भाजपा अभी भी पाटलिपुत्र लोकसभा क्षेत्र में अपनी हार से परेशान है, जहाँ राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद की सबसे बड़ी बेटी मीसा भारती ने राम कृपाल यादव को हराया, जिन्होंने उन्हें पहले दो बार हराया था। सभी सर्वेक्षणों ने भविष्यवाणी की थी कि जमीनी स्तर से जुड़े विनम्र नेता यादव तीसरी बार भाग्यशाली होंगे। इसलिए भाजपा थिंक–टैंक ने हार के लिए जिम्मेदार कारकों की पहचान करने के लिए गहन विश्लेषण किया। एक कारण सामने आया – सुरक्षा व्यवस्था। यादव के पक्ष में जाने वाले इलाकों में केंद्रीय बलों को तैनात किया गया, जबकि भारती के पक्ष में जाने वाले इलाकों में राज्य पुलिस और होमगार्ड को तैनात किया गया। केंद्रीय बलों की मौजूदगी के कारण पहले वाले इलाकों में कम लोग आए। वरिष्ठ भाजपा नेताओं को संदेह है कि इस तरह की चुनिंदा तैनाती राज्य के शीर्ष पर बैठे किसी व्यक्ति द्वारा विश्वासघात का नतीजा हो सकती है। उन्होंने बलों के वितरण के पीछे जेडी(यू) के एक सांसद की पहचान की है, जिस पर प्रसाद के करीबी होने और पिछले साल अपनी ही पार्टी को तोड़ने के प्रयास करने का संदेह है। उम्मीदें झूठी निकलीं कर्नाटक में भाजपा–जनता दल (सेक्युलर) गठबंधन को स्पष्ट रूप से सीएम सिद्धारमैया और उनके डिप्टी और राज्य कांग्रेस प्रमुख डीके शिवकुमार के बीच कथित प्रतिद्वंद्विता के बारे में बड़ी उम्मीदें थीं। यह सच है कि शिवकुमार ने विधानसभा चुनावों में पार्टी को जीत दिलाने के बाद सीएम बनाए जाने के बारे में अपनी बात पर अड़े रहे। लेकिन जब विपक्ष ने सिद्धारमैया के खिलाफ भूमि घोटाले के आरोप लगाकर दोनों के बीच दरार डालने की सोची, तो शिवकुमार ने सीएम के समर्थन में पूरी ताकत झोंक दी, जिससे भाजपा और जेडी(एस) को काफी निराशा हुई। अब समाजवाद एचडी कुमारस्वामी प्रधानमंत्री के विनिवेश अर्थशास्त्र के प्रशंसक नहीं हैं। कुमारस्वामी ने अपने समाजवादी पिता और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा से प्रशिक्षण लिया है, जिन्होंने हमेशा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का समर्थन किया। भारी उद्योग और इस्पात मंत्री के रूप में कुमारस्वामी सार्वजनिक उपक्रमों को विनिवेश से बचाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

लेटरल एंट्री पर कांग्रेस और इंडी ठगबंधन का फेक नैरेटिव

प्रेम

आज कल आप 'लेटरल एंट्री' के बारे में इधर–उधर चर्चा सुन रहे होंगे। पिछले कुछ दिनों में कांग्रेस सहित इंडी ठगबंधन के घटक दलों की ओर से आदतन इस विषय पर भी देश और जनता को गुमराह करने की एक निचले स्तर की साजिश रची जा रही है। फिर इस तरह की अफवाह भी फैलाई जा रही है कि मोदी सरकार ही आरक्षण से बचने के लिए 'लेटरल एंट्री' की स्कीम को लेकर आई थी और वही अब आरक्षण देने के लिए अपनी ही स्कीम से पीछे हट रही है। इस तरह की बातें एकदम से मोदी सरकार के खिलाफ फैलाए जा रहे फेक नैरेटिव प्रोपेगेंडा का हिस्सा हैं जिसे विपक्षी इंडी ठगबंधन हवा दे रहा है। एंटी–मोदी और एंटी–इंडिया सेक्शन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ जनता को बरगलाने के लिए सारी नापाक चालें चल कर देख ली लेकिन वे जनता के दिलों से नरेन्द्र मोदी को जब हटा नहीं पाए तो अब

वे आरक्षण पर पेपर–डिजाइंड 'फेक नैरेटिव' की एक सीरीज तैयार कर के आए हैं जिसका उदाहरण हमने लोक सभा चुनाव प्रचार के दौरान भी देखा, एससी–एसटी क्रीमी लेयर से संबंधित विषय पर सुप्रीम कोर्ट के सुझावों के बाद भी देखा और अब 'लेटरल एंट्री' वाले विषय में भी देख रहे हैं। जिन पार्टियों का इतिहास ही जातिगत राजनीति और आरक्षण के खिलाफ रहा है, आज वे इसके सबसे बड़े पैरोकार बनने का झूठा दंभ भर रहे हैं जबकि उनकी असली मंशा कुछ और ही है। जहां तक लेटरल एंट्री का विषय है, ये कंसेप्ट तो कांग्रेस की यूपीए सरकार लेकर आई थी जिसमें वे सभी दल भी सहभागी थे जो आज कांग्रेस के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं। कांग्रेस के दौर में लैटरल एंट्री सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप बिलकुल भी नहीं थी और इसलिए एससी, एसटी और ओबीसी को दरकिनार कर दिया गया। हालांकि, लेटरल एंट्री का पहला और सबसे बड़ा उदाहरण तो हमें आजादी के ठीक बाद पंडित नेहरू की सरकार में ही दिख गया था जब पंडित जवाहर लाल नेहरू ने अपनी बहन विजया लक्ष्मी पंडित को चार–चार देशों में भारत का राजदूत बनाया जबकि उन्होंने कोई औपचारिक स्कूली शिक्षा भी प्राप्त नहीं की थी। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भी किया। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह भी 1971 में लेटरल एंट्री के जरिए ही आर्थिक सलाहकार बनाए गए थे। बाद में वे वित्त मंत्री और पीएम भी बने। मंतोष सोढ़ी, सैम पित्रोदा, वी कृष्णमूर्ति, बिमल जालान, कौशिक बसु, केपीपी नांबियार, अरुणा मैरा, आईजी पटेल, अरविंद विरमानी जैसे लोगों को भी लेटरल एंट्री के जरिये ही सरकार का हिस्सा बनाया गया था। यहां तक कि कांग्रेस सरकार ने बिना किसी योग्यता के सोनिया गांधी को लेटरल एंट्री की तर्ज पर ही यूपीए सरकार में राष्ट्रीय सलाहकार परिषद (एनएसी) का अध्यक्ष बना कर प्रधानमंत्री के ऊपर बिठा दिया गया था। यहां तक कि कांग्रेस की सोनिया–मनमोहन सरकार के दौरान गठित राष्ट्रीय सलाहकार परिषद जिसने यूपीए के दस वर्षों के दौरान शासन में सक्रिय भूमिका निभाई थी, उसमें भी कई लैटरल एंट्री थीं और उन सभी में एससी, एसटी और ओबीसी को अनदेखा किया गया। एनएसी के सदस्यों में से एक जीन ड्रेज थे, जिन्हें हाल ही में दिल्ली में फिलिस्तीन के समर्थन में विरोध प्रदर्शन करते देखा गया था। पूर्व आईएएस अधिकारी हर्ष मंदर भी एनएसी का हिस्सा थे। इसी तरह मोंटेक सिंह अहलूवालिया, नंदन नीलेकणि और अन्य जैसे अन्य हाई प्रोफाइल लैटरल एंट्री को बिना किसी व्यवस्थागत प्रक्रिया के लिया गया। 2018 में मोदी सरकार ने यूपीएससी के माध्यम से लैटरल एंट्री को संस्थागत रूप दिया, जिससे प्रक्रिया में अपारदर्शिता दूर हुई और सिस्टम में तदर्थ प्रविष्टियों पर रोक लगी।

वास्तव में, यह कांग्रेस ही है जिसने जामिया मिलिया और एएमयू को अल्पसंख्यक संस्थान बताकर एससी, एसटी और ओबीसी छात्रों के अधिकारों का हनन किया। वास्तव में, यह कांग्रेस ही है जिसने अपनी राज्य सरकारों में एक वर्ग विशेष को आरक्षण देने के लिए एससी, एसटी और ओबीसी के अधिकारों का हनन करने की साजिश रची। कर्नाटक और आंध्र प्रदेश इसके उदाहरण हैं। कांग्रेस शुरुआत से ही आरक्षण के खिलाफ है। नेहरू जी कहते थे कि अगर एससीध्एसटी, ओबीसी को नौकरी में आरक्षण मिला तो सरकारी कामकाज का स्तर गिर जाएगा। अगर उस समय सरकार में भर्ती हुई होती, तो वो प्रमोशन के बाद आगे बढ़ते और आज यहां पहुंचते। 27 जून 1961 को पंडित नेहरू ने मुख्यमंत्रियों को पत्र लिख कर आरक्षण का विरोध किया था। उन्होंने 1951 में जाति जनगणना का भी विरोध किया था। इंदिरा गांधी ने मंडल आयोग की रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया था। इंदिरा गांधी कहती थी – न जात पर, न पात पर, मुहर लगेगी हाथ पर। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने लोक सभा में 6 सितंबर 1990 को अपने भाषण के दौरान मंडल कमीशन पर अपनी बात रखते हुए आरक्षण का विरोध किया था।

इससे पहले 1985 में भी प्रधानमंत्री रहते हुए उन्होंने एक इंटरव्यू में आरक्षण के खिलाफ बोला था। कांग्रेस की सरकारों ने ओबीसी आयोग को संवैधानिक मान्यता देने का निर्णय वर्षों तक लटका कर रखा। सपा की सरकार ने अध्यादेश लाकर यूपी में सरकारी नौकरियों में पदोन्नति में आरक्षण की व्यवस्था समाप्त कर दी थी। मुख्यमंत्री रहते हुए भी अखिलेश यादव ने बयान दिया था कि समाजवादी पार्टी पदोन्नति में आरक्षण के खिलाफ है।

एलपीएस में अन्तर्शाखीय हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिता सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ पब्लिक कॉलेज, गोमती नगर शाखा के श्रीरामलाल मेमोरियल ऑडीटोरियम में आज अन्तर्शाखीय वाद विवाद

प्रतियोगिता का आयोजन किया गया , जिसमें प्राइमरी से कक्षा–12 तक के छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ माँ सरस्वती के दीप प्रज्ज्वलन द्वारा हुआ। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक एवं प्रतापगढ़ के सांसद डॉ .एसव पीव सिंह , पूर्व एमएलसी कांति सिंह, प्रबंध निदेशक सुशील कुमार , निदेशक नेहा सिंह, प्रधानाचार्य अनीता चौधरी , मुख्य निरीक्षक संजय प्रताप सिंह व विजय कुमार शर्मा, एचआर हेड सरिता चौधरी एवं निरीक्षण मंडल के सदस्य , निर्णायक मंडल के रूप में ज्वेलरी डिजाइनर श्रुति केसरवानी, राजनीतिक विश्लेषक रवि गुप्ता , लेखिका रचना ऋषि, टैरो रीडर पूजा यादव उपस्थित थीं।

प्रतियोगिता में ग्रुप 'ए' से सहारा स्टेटस लखनऊ शाखा की काव्या शर्मा व विदुषी मिश्रा विजेता एवं गोमती नगर शाखा की वर्तिका गुप्ता व मायरा उपविजेता रही। ग्रुप 'बी' से गार्डेन सिटी डीव एलव एफ शाखा की अनुश्री मिश्रा तथा एजत उपाध्याय विजेता व सहारा स्टेटस शाखा की तनीशी खन्नी तथा तनिशष्का सिंह उपविजेता रहीं। ग्रुप 'सी' से गोमती नगर शाखा के प्रबल सिंह व उनैजा विजेता शकील तथा सीतापुर शाखा की वसुन्धरा व आदर्श सिंह उपविजेता रहे। ग्रुप 'डी' से लखीमपुर खीरी शाखा की मानसी वर्मा व सतवंत कौर व वृन्दावन योजना शाखा के किशन तिवारी व उत्कर्ष श्रीवास्तव विजेता रहे। तथा गोमती नगर शाखा के प्रखर पाण्डेय व अदम्य सिंह उपविजेता रहे।

ग्रुप 'ए' से सहारा स्टेटस शाखा की विदुषी मिश्रा, ग्रुप 'बी' से गार्डेन सिटी डीव एलव एफ शाखा की एजत उपाध्याय, ग्रुप 'सी' से गोमती नगर शाखा की उनैजा शकील व ग्रुप डी से गोमती नगर शाखा के प्रखर पाण्डेय सर्वश्रेष्ठ वक्ता चुने गये।

अंतर्राष्ट्रीय प्रत्यारोपण सम्मेलन पहली बार लखनऊ में आयोजित – डा. एम. शाहीक

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। ओरल इम्प्लांटोलॉजी अकादमी की XIII इंटरनेशनल कांग्रेस का आयोजन 23 से 25 तारीख को किया गया था, इस सम्मेलन में पूरे भारत से विशेषज्ञों ने भाग लिया।

प्रसिद्ध राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय वक्ताओं ने प्रतिनिधियों को अत्यधिक लाभ पहुंचाने के लिए व्याख्यान दिए।

सम्मेलन का मुख्य आकर्षण प्री कॉन्फ्रेंस पाठ्यक्रम थे जो वरिष्ठ और युवा इम्प्लांटोलॉजिस्ट दोनों को अपने ज्ञान को अद्यतन करने के लिए पेश किए गए थे। अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं में इटली से डॉ. माटेओ इवर्निजी, फ्रांस से प्रोफेसर जोसेफ चौक्रोन, इजराइल से प्रोफेसर मोशे गोल्डस्टीन, लंदन से डॉ. इसाबेला रोचट्टा, इटली से डॉ. लुका बोसिनी ने इम्प्लांटोलॉजी के क्षेत्र में विभिन्न प्रगति के बारे में विस्तार से बात की। उन्होंने विस्तार से उल्लेख किया कि कैसे उन व्यक्तियों में दांतों की कार्यप्रणाली को बहुत प्रभावी ढंग से बहाल किया जा सकता है जिनके दांत प्रारंभिक अवस्था में ही गिर गए हों। इम्प्लांट हड्डी में एकीकृत हो जाते हैं और वे किसी भी प्राकृतिक दांत के समान या उससे भी बेहतर कार्य करते हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि जब जबड़े में बहुत कम हड्डी बची हो, तब भी हम बोन ग्राफ्ट लगाने के बाद एक इम्प्लांट लगा सकते हैं जो एकीकृत हो जाता है। कुछ समय बाद हड्डी में, उन्होंने विस्तार से बताया कि ऊपरी जबड़े में आजकल हमारे पास नई तकनीक है और इसका उपयोग करके हम साइनस को उठा सकते हैं और प्रत्यारोपण लगा सकते हैं। यह सभी नवोदित इम्प्लांटोलॉजिस्टों के लिए एक वैज्ञानिक असाधारण और ज्ञानवर्धक अनुभव था

आयोजन सचिव

डॉ. एम. शाहीक ने कहा कि यह अंतर्राष्ट्रीय प्रत्यारोपण सम्मेलन पहली बार लखनऊ में आयोजित किया गया था और उनकी इच्छा है कि समाज के लाभ के लिए भविष्य में इस तरह के और सम्मेलन आयोजित किए जाएं। आयोजन समिति की कोर टीम के सदस्य प्रोफेसर अमृत टंडन सम्मेलन के अध्यक्ष, प्रोफेसर थे विवेक गोविला, डॉ. सीपी तिवारी सह–अध्यक्ष, डॉ. विजय विश्वकर्मा कोषाध्यक्ष, डॉ. शानवाज खान संयुक्त सचिव, डॉ. संदीप सिंह अध्यक्ष वैज्ञानिक, डॉ. सुबोध नाटू पंजीकरण प्रभारी, डॉ. विक्रम आहूजा अध्यक्ष ज्तंकम, डॉ. शुभम तिवारी और डॉ. सुमित तिवारी ने सम्मेलन की सफलता के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया।

प्रदेश के वित्त–विहीन शिक्षक एवम् शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का मानदेय दिया जाय –चौद्ग रामवीर सिंह यादव (राष्ट्रीय अध्यक्ष)

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। माध्यमिक वित्त विहीन शिक्षक महासभा उ०प्र० की प्रान्तीय कार्यसमिति एवम् प्रदेश भर के वित्त विहीन विद्यालयों के शिक्षक, प्रधानाचार्य, प्रबन्धक एवम् शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की एक आवश्यक बैठक दारूलशफा–बी ब्लाक के कामन हाल में प्रदेश अध्यक्ष चौ० उमाशंकर पटेल, रायबरेली की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ० रामवीर सिंह यादव अलीगढ एवम् राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जनार्दन यादव समदर्शी बलिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि प्रदेश के वित्त–विहीन शिक्षक एवम् शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का मानदेय दिया जाय। बैठक में प्रदेश भर के पचहत्तर जिलों में जिला सम्मेलन कर संगठन का पुर्नगठन किया जायेगा । यदि वित्त विहीन शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को शीघ्र ही मानदेय नहीं दिया गया तो प्रदेश व्यापी आन्दोलन चलाया जायेगा। वर्तमान सरकार द्वारा हाईस्कू एवम् इण्टरमीडिएट की नवीन मान्यता हेतु जमीन, प्राभूत कोष, सुरक्षित कोष जो बढाया गया है वह अनुचित है। उसे वापस लिया जाय। वर्तमान सरकार ने पूर्व में वित्त विहीन विद्यालयों को धारा 7 (क) क में जो मान्यता दी थी उसे बदल कर धारा 7 (4) में कर दिया है अतः ऐसे विद्यालयों के शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों पर वेतन वितरण क्रमशःअधिनियम लागू किया जाय और अब जो नवीनी स्ववित्त पोषित मान्यता दे दी जायेगी उन विद्यालयों के शिक्षक ६ शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को मासिक मानदेय ट्रेजरी के माध्यम से सरकार द्वारा दिया जाय।

पुरानी मान्यताओं का नवीनीकरण न कराया जाय। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ० रामवीर सिंह यादव अलीगढ़, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जनार्दन समदर्शी, योगेन्द्र सिंह गुजर्र प्रदेश महासचिव, रूबीना कुरैशी, प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ, लाल बहादुर यादव प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष, सत्यराम यादव प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष प्रधानाचार्य महासभा, कृष्ण मोहन यादव बलिया, सतीश राजपूत प्रदेश अध्यक्ष प्रबन्धक महासभा, सालिगराम सक्सेना मण्डल अध्यक्ष, संजय सोनकर ,डॉक्टर आशुतोष कुमार वर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष माध्यमिक वित्तविहीन शिक्षक महासभा उत्तर प्रदेश इत्यादि प्रदेश भर से 75 जिलो के सैकडों शिक्षक, प्रधानाचार्य शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने भागीदारी की।

केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए एकीकृत पेंशन योजना (यू.पी.एस) शुरू की जा रही है

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल के मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में एकीकृत पेंशन योजना (यू.पी.एस.) विषय पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई , जिसकी अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ, श्री एस. एम. शर्मा ने की। मंडल रेल प्रबंधक श्री एस. एम. शर्मा ने बताया कि केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए एकीकृत पेंशन योजना (यू.पी.एस.) शुरू की जा रही है, जिससे लखनऊ मंडल के रेलवे अधिकारियों एवं कर्मचारियों में खुशी का लहर है। उन्होंने बताया कि एकीकृत पेंशन योजना की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार है। एकीकृत पेंशन योजना सुनिश्चित पेंशन की गारंटी देती है। न्यूनतम क्वालीफायिंग सेवा अवधि 25 वर्ष के लिए, सेवानिवृत्ति से पहले अंतिम 12 महीनों में प्राप्त औसत मूल वेतन का 50: होगी। कर्मचारी की मृत्यु से ठीक पहले उसकी पेंशन का 60 प्रतिशत उसके परिवार को सुनिश्चित पारिवारिक पेंशन दिया जाएगा। न्यूनतम 10 वर्ष की सेवा के बाद, सेवानिवृत्ति पर सुनिश्चित न्यूनतम पेंशन 10,000 रुपये प्रति माह दी जाएगी। सुनिश्चित पेंशन, सुनिश्चित पारिवारिक पेंशन और सुनिश्चित न्यूनतम पेंशन पर अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य के आधार पर महंगाई राहत भी दिया जाएगा। सेवानिवृत्ति के समय ग्रेच्युटी के अलावा एकमुश्त भुगतान भी दिया जाएगा साथ ही प्रत्येक छह महीने की सेवा के लिए सेवानिवृत्ति की तिथि पर मासिक पारिश्रमिक (वेतन. डीए) का 1ध10वां हिस्सा ग्रेच्युटी के रूप में दिया जाएगा। इस भुगतान से सुनिश्चित पेंशन की मात्रा में कमी नहीं आएगी । यू.पी.एस. कर्मचारियों के लिए एक विकल्प के रूप में उपलब्ध होगा। मौजूदा और भावी कर्मचारियों के पास एन.पी.एस. या यू.पी.एस. में शामिल होने का विकल्प होगा। एक बार चुने जाने के बाद, विकल्प अंतिम होगा ' कर्मचारी योगदान में वृद्धि नहीं होगी। यू.पी.एस. को लागू करने के लिए सरकार अतिरिक्त योगदान देगी। सरकार का योगदान 14 से बढ़ाकर 18.5: किया गया है। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री अमित कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक, श्री सर्वेश सिंह , वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, श्रीमती रेखा शर्मा मौजूद रही।

जम्मू–कश्मीर नेशनल पैंथर्स पार्टी (भीम) ने विधानसभा चुनावों पर महत्वपूर्ण बैठक की – खोसला

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

जम्मू। जम्मू–कश्मीर नेशनल पैंथर्स पार्टी (भीम) ने आज अपने अध्यक्ष विलक्षण सिंह के नेतृत्व में दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष राजीव जोली खोसला द्वारा चल रहे विधानसभा चुनावों की रणनीति बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक मैं भाग लिया। यह बैठक पार्टी के उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप देने और जम्मू–कश्मीर के मतदाताओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण रही। बैठक के दौरान, सिंह ने वंचित और हाशिए पर पड़े समुदायों के प्रति पार्टी के समर्पण पर जोर दिया, साथ ही गरीबों और वंचितों के उत्थान के लिए जेकेएनपीपी (भीम) के चल रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। सिंह ने कहा, "हमारी पार्टी डोगरा पहचान की रक्षा करने और जम्मू–कश्मीर के प्रत्येक निवासी के जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के अपने मिशन में दृढ़ है।" उन्होंने पार्टी सदस्यों और समर्थकों को क्षेत्र के लोगों के लिए सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों को आगे बढ़ाने के लिए जेकेएनपीपी (भीम) के अथक प्रयासों का आश्वासन दिया। जेकेएनपीपी (भीम) की दिल्ली राज्य इकाई के अध्यक्ष राजीव जॉली खोसला ने भी बैठक में बोलते हुए सामाजिक कल्याण में प्रोफेसर भीम सिंह के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। खोसला ने पार्टी की मौजूदा नीतियों और लक्ष्यों पर सिंह की विरासत के प्रभाव पर जोर दिया, उनके नेतृत्व के स्थायी प्रभाव को रेखांकित किया। बैठक का समापन जेकेएनपीपी (भीम) की ओर से चुनावी प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल होने और जम्मू–कश्मीर की जनता की बेहतरी के लिए अथक प्रयास करने की नई प्रतिबद्धता के साथ हुआ।

तीज का त्यौहार मनाया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। इनर व्हील क्लब ऑफ लखनऊ अभ्युदय के द्वारा तीज का त्यौहार मनाया गया जिसमें सभी सदस्यों ने हर्षोल्लास से भाग लिया तथा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति सदस्याओं द्वारा दी गई। क्लब की अध्यक्षा सुनीता सिंह , सचिव डॉ मीनू कृपाल , आई एस ओ सुबूही तथा चेतना गिडवानी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

श्री कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा – अमित यादव

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। समाजसेवी अमित यादव ने कहा कि आपको यह बताते हुए बहुत ही हर्ष हो रहा है कि हर वर्ष की बात इस वर्ष भी कल दिनांक 26/08/2024 दिन सोमवार को हनुमान मंदिर आवास विकास कॉलोनी मुन्नू खेड़ा में श्री कृष्ण जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा, वरिष्ठ समाजसेवी अमित यादव ने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि आपसे निवेदन है सपरिवार आकर के श्री कृष्ण जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर प्रसाद और आशीर्वाद प्राप्त करें।

जिला सूचना अधिकारी के घर चोरी, मौके पर पहुंची पुलिस व फोरेंसिक टीम जांच में जुटी

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लाइन बाजार थाना अंतर्गत पाश कालोनी इलाके में निवास कर रही जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय के घर को बीती रविवार रात हौसला बुलंद चोरों ने निशाना बनाया। चोरों ने मेंन गेट का ताला तोड़ते हुए घर में प्रवेश कर अलमारी में रखे तमाम जरूरी कागजात जरूरी अन्य सामान लेकर आसानी से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची जिला सूचना अधिकारी ने पुलिस को सूचना दिया। मौके पर पहुंचे मियापुर पुलिस चौकी इंचार्ज और फोरेंसिक टीम मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। घटना के वक्त सूचना अधिकारी अपने निजी कार्य से वाराणसी गई थी। हैरत की बात यह पास कॉलोनी इलाके में भी देर रात पुलिस की कोई गस्त नहीं होती जबकि पुलिस चौकी चंद कदमों की दूरी पर है।

इस मामले में जानकारी देते हुए सूचना अधिकारी ने बताया कि वह अपने निजी काम से वाराणसी गई थी सोमवार सुबह उन्हें घर का ताला टूटा होने की जानकारी मिली मौके पर पहुंची और उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दिया मौके पर पहुंची पुलिस और विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम जांच पड़ताल कर रही है। समान कितना गया है इसकी कोई जानकारी नहीं है हालांकि कुछ महत्वपूर्ण कागजात और ज्वेलरी जो अलमारी में रखे थे वह नहीं दिखाई दे रहे हैं बाकी फोरेंसिक टीम जांच के बाद ही कुछ मालूम हो पाएगा।

विश्व हिन्दू परिषद् ने धूम धाम से मनाया स्थापना दिवस

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। विश्व हिंदू परिषद की स्थापना 29 अगस्त 1964 को श्री कृष्ण जन्माष्टमी के शुभ पर्व पर भारत की संत शक्ति के आशीर्वाद के साथ हुई थी आज इसके साठ वर्ष पूरे हुए इस अवसर पर नगर के गुलाबी देवी इंटर कॉलेज में विहिप ने स्थापना दिवस मनाया इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न हिन्दू सनातनियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया , विहिप का उद्देश्य हिंदू समाज को संगठित करना, हिंदू धर्म की रक्षा करना, और समाज की सेवा करना है। भारत के लाखों गांवों और कस्बों में विहिप को एक मजबूत, प्रभावी, स्थायी, और लगातार बढ़ते हुवे संगठन के रूप में देखा जा रहा है। विभाग मंत्री स्मारबहादुर सिंह जी ने बताया कि दुनिया भर में हिंदू गतिविधियों में वृद्धि के साथ, एक मजबूत और आत्मविश्वासी हिंदू संगठन धीरे–धीरे आकार ले रहा है।

स्वास्थ– शिक्षा, आत्म– सशक्तिकरण, आदि के क्षेत्रो में 4277 से अधिक सेवा परियोजनाओं के माध्यम से विहिप हिंदू समाज की जड़ो को मजबूत कर रहा है। लव जिहाद जैसी सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन के निरंतर प्रयासों के माध्यम से, समाज को विमुक्त, और अंतर्निहित हिंदू एकता को पुनर्जाग्रत करने के लिए समाज का कायाकल्प कर रही है.

मुख्य वक्ता के रूप में प्रान्त गौ रक्षा प्रमुख महेंद्र शुक्ला जी ने बताया कि विहिप अपने मूल मूल्यों, विश्वासों और पवित्र परंपराओं की रक्षा के लिए श्री रामजन्मभूमि, श्री अमरनाथ यात्रा, श्री रामसेतु, श्री गंगा रक्षा, गौ रक्षा, हिंदू मठ–मंदिर मुद्दा, ईसाई चर्च द्वारा हिंदुओं का धर्मांतरण, इस्लामी आतंकवाद, बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठ ,जैसे मुद्दों को उठाकर हिंदू समाज की अदम्य शक्ति के रूप में स्वयं को स्थापित कर रही है, हिंदू धर्म के सभी संप्रदायों (धर्मों) के सभी धर्माचार्यों का एक मंच पर एकत्रीकरण विहिप की सबसे बड़ी उपलब्धि के रूप में देखी जा सकती है कार्यक्रम का संचालन विभाग समरसता प्रमुख कमलापति तिवारी जी ने किया , अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विमल सिंह जी ने किया । मुख्य रूप से विभाग अध्यक्ष उदयराज सिंह मंत्री समर बहादुर सिंह विभाग संगठन मंत्री सत्येंद्र जी प्रान्त गौ रक्षा प्रमुख बजरंग दल विजय सिंह,बजरंग दल विभाग संयोजक,आशुतोष सिंह,जिला प्रचार प्रसार प्रमुख सुनील शर्मा,जिला संयोजक बजरंग दल गणेश मोदनवाल,विधि प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्री प्रकाश जी ,समरसता प्रमुख जयनारायण जी रहे। जिला मंत्री सुनील मौर्या जी ने समस्त आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

आम आदमी पार्टी के नए जिला अध्यक्ष बने रामरतन विश्वकर्मा

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। आम आदमी पार्टी जौनपुर के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष रामरतन विश्वकर्मा का स्वागत सम्मान समारोह मंगलम लान कलेक्ट्रेट कचहरी में आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में प्रांत अध्यक्ष पवन तिवारी ने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष को मनोनयन पत्र सौंपा। इस अवसर पर प्रांत महासचिव मनोज गुप्ता, वाराणसी जिलाध्यक्ष रमाशंकर पटेल व भदोही के जिलाध्यक्ष मौजूद रहे। प्रांत अध्यक्ष पवन तिवारी ने कहा कि आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश में संगठन विस्तार कर रही है और अपने संगठन को जमीन पर उतारने का कार्य कर रही है इसी क्रम में जौनपुर में पुरानी जिला कार्यकारिणी को भंग कर रामरतन विश्वकर्मा को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। रामरतन विश्वकर्मा इसके पूर्व काशी प्रांत के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर रहते हुए प्रयागराज के जिला प्रभारी का कार्य देख रहे थे। पूर्व जिलाध्यक्ष सूर्य नारायण सिंह मुन्ना जी का कार्यकाल बेहतरीन रहा और उम्मीद है कि नए जिलाध्यक्ष अपने कार्यकाल में पार्टी के संगठन एवं उसकी विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएंगे। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष राम रतन विश्वकर्मा ने कहा कि हमारी प्राथमिकता जौनपुर की स्थानीय समस्याओं को लेकर संघर्ष करना तथा सभी कार्यकर्ताओं को साथ में लेकर संगठन को जमीन पर उतरना और अपने मुखिया अरविंद केजरीवाल और संजय सिंह जी के दिखाए हुए

रास्ते पर चलते हुए बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के सपनों को साकार करना है। मेरे कार्यकाल में पार्टी का साधारण कार्यकर्ता भी खुद को जिलाध्यक्ष मानते हुए गौरवान्वित होकर कार्य करे और मैं उसके गौरव की रक्षा करते हुए सबको साथ लेकर टीमवर्क करने का प्रयास करूंगा। पूर्वांचल प्रांत के प्रभारी डॉ अनुराग मिश्र ने नवनियुक्त जिला अध्यक्ष का स्वागत करते हुए आगामी पंचायत चुनाव में पार्टी के संगठन निर्माण को लेकर रणनीति पर प्रकाश डाला। पंचायत प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष व सदर विधानसभा के प्रत्याशी डॉ विनोद वत्स ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए पूरा सहयोग देने का वादा किया। इसके पूर्व पवन तिवारी द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आम आदमी पार्टी की नीति एवं कार्यक्रमों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। उक्त कार्यक्रम में ने वर्तमान जिला उपाध्यक्ष मुरली मनोहर, साधना त्रिपाठी, सुभाष मौर्य एडवोकेट, मोहम्मद शत्रुघ्न सिंह सोनू, जय यादव, व्यापार प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष एच एन तिवारी, बीएल मौर्य, रामजी गुप्ता, लालमणि गौतम, डॉ० अंबिका प्रसाद मौर्य, रामाश्रय चौहान, लल्लन पतौरा ,राम प्रसाद, ओंकारनाथ विश्वकर्मा, बसंत लाल, महिला प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अनीता मिश्रा, डॉ प्रवीण सिंह डॉ० कुलदीप श्रीवास्तव, डॉ पवन सिंह, रामकुमार बिन्द, बंटी अग्रहरि, बबलू गुप्ता, जिला अध्यक्ष विधि प्रकोष्ठ अनिल धर, अधिवक्ता प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग मणि त्रिपाठी, बंदना मिश्रा, तीरथ राज यादव, संजय पाल, विद्याधर मिश्र,विजय सिंह बागी, मोहम्मद इसरार, प्रदीप मिश्र, आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन निवर्तमान महासचिव विनोद प्रजापति ने किया।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला पुलिस कर्मियों ने महिलाओं को किया जागरुक

अयोध्या। रविवार को जिले के सभी थाना क्षेत्रों में महिला सुरक्षा, सम्मान व व उन्हें स्वावलंबी बनाने के लिए मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला पुलिस कर्मियों ने अभियान चलाया।शक्ति दीदी (महिला बीट तथा महिला हेल्प डेस्क)के माध्यम से महिला पुलिस कर्मियों ने आउटरीच कार्यक्रम के तहत अपने–अपने थाना क्षेत्र अंतर्गत आबादी क्षेत्र, बाजारों, भीड़भाड़ वाले इलाकों, स्कूलों, कॉलेजों,कोचिंग संस्थानों, मेलों एवं गांव में पहुंचकर बालिकाओं/ छात्राओं एवं महिलाओं को महिला उत्पीड़न की रोकथाम के साथ साथ उनके अधिकारों एवं महिला उत्पीड़न के संबंध में पुलिस द्वारा की जाने वाली कार्यवाही के बारे में जागरूक किया।वही इस मौके पर प्रदेश सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण हेतु चलायी जा रही विभिन्न योजनाओ मुख्यमंत्री सुमंगला योजना,निराश्रित महिला पेंशन योजना,उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, बैकिंग कॉरस्पोडेंट सखी, मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व राष्ट्रीय पोषण मिशन सहित अन्य योजनाओं के संबंध मे विस्तृत जानकारी दी गयी।इस मौके पर वहां पर मौजूद 112 पुलिस आपातकालीन सेवा,1076 मा० मुख्यमंत्री हेल्पलाइन,1090 वीमन पावर हेल्पलाइन,1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन,102 स्वास्थ सेवा,108 एंबुलेंस सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्प लाइन के अलावा कई महत्वपूर्ण जानकारी वहां पर मौजूद महिलाओं को दिया।

पुलिस अधीक्षक ने इंस्पेक्टर, दरोगा एवं दर्जनों कांस्टेबल स्थानांतरित किए

हरदोई(अंबरीष कुमार सक्सेना) पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने रविवार देर रात इंस्पेक्टर, दरोगा एवं दर्जनों कांस्टेबल स्थानांतरित कर दिए हैं। पुलिस लाइन में तैनात को नई तैनाती पर रवाना किया गया है। वहीं बिलग्राम कोतवाली में तैनात कांस्टेबिल देवानंद को आरओआईपी यूपी–112 व मीडिया सेल में तैनात कांस्टेबिल प्रशांत तोमर को साइबर

इंस्पेक्टर अरविंद कुमार राय को साइबर थाने में तैनात किया गया है। वहीं प्रभारी साइबर सेल इंस्पेक्टर सुनील कुमार दुबे अब साइबर सेल के प्रभारी निरीक्षक होंगे। इसके अलावा पुलिस लाइन में तैनात 20 एसआई,16 हेड कांस्टेबल और 17 कांस्टेबलों थाने भेजा गया है। एसपी नीरज जादौन ने जहानीखेड़ा पुलिस चौकी प्रभारी एसआई विश्वास शर्मा को प्रभारी साइबर सेल और मल्लावां कोतवाली में तैनात एसआई संतोष कुमार कैथल को साइबर थाने रवाना किया है। इसके अलावा पुलिस लाइन में तैनात एसआई प्रमोद कुमार सिंह को कोतवाली देहात, एसआई सुरजीत यादव को पचदेवरा, एसआई शिवदत्त सिंह हरियावां, एसआई राजू प्रसाद को टड़ियावां, एसआई सत्य देव सिंह को बेनीगंज, एसआई विनोद कुमार यादव को मल्लावां, एसआई प्रवीण चन्द्र मिश्रा को बिलग्राम, एसआई जयप्रकाश मिश्रा को माधौगंज, एसआई ओंकार नाथ सिंह को व एसआई राकेश कुमार यादव को पाली,एसआई शंकर दयाल पाण्डेय व एसआई मनोज कुमार त्रिपाठी को शाहाबाद, एसआई अवधेश सिंह यादव को अतरौली, एसआई बलवंत सिंह को सण्डीला, एसआई ओमप्रकाश सिंह को मझिला, एसआई रामजीत यादव को कोतवाली देहात, एसआई अवधेश सिंह यादव को पिहानी और पुलिस लाइन में तैनात एसआई फूल सिंह को बेनीगंज कोतवाली में नई तैनाती दी गई है। साथ ही पुलिस लाइन में तैनात 16 हेड कांस्टेबल और 17 कांस्टेबलों को भी नई जगह पर तैनात किया गया है।

निजी चिकित्सकों को अपने क्लीनिक का अब एक ही बार कराना होगा रजिस्ट्रेशन – बृजेश पाठक

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एकेडमी ऑफ ओरल इंप्लांटोलॉजी 23 से 25 अगस्त 2024 तक लखनऊ के द सेंट्रम में XIII अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस की मेजबानी करने के लिए उत्साहित है। इस प्रतिष्ठित आयोजन ने 400 से अधिक प्रतिनिधि

यों को एक साथ लाया है, जिनमें ओरल इम्प्लांटोलॉजी के क्षेत्र के प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ, चिकित्सक और शोधकर्ता शामिल हैं। कांग्रेस का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और चिकित्सा शिक्षा मंत्री ब्रजेश पाठक द्वारा किया गया। अवनीश अवस्थी (मुख्यमंत्री के सलाहकार (यू.पी.)), डॉ. जी.एन. सिंह (मुख्यमंत्री के सलाहकार (यूपी), पूर्व डीसीजीआई) और डॉ. रंजीत पाटिल (डीन, दंत चिकित्सा विज्ञान संकाय, केजीएमयू) सम्मानित अतिथि थे। तीन दिनों के दौरान, कांग्रेस में मौखिक प्रत्यारोपण विज्ञान में नवीनतम प्रगति और सर्वोत्तम प्रथाओं को कवर करने वाले व्यावहारिक मुख्य भाषण, प्रस्तुतियाँ, कार्यशालाएँ और पैनल चर्चाएँ होंगी। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वक्ता प्रतिभागियों के साथ अत्याधुनिक अनुसंधान, नवीन तकनीकों और नैदानिक विशेषज्ञता को साझा करेंगे, जो सीखने और नेटवर्किंग के लिए एक अमूल्य अवसर प्रदान करेंगे। स्थानीय आयोजन टीम में प्रोफेसर अमृत टंडन, डॉ. एम शाहीक, डॉ. सी.पी. तिवारी, डॉ. शाहनवाज खान, डॉ. विजय विश्वकर्मा, प्रो. सुबोध नातू शामिल थे। यह सभा मौखिक स्वास्थ्य देखभाल में एक ऐतिहासिक कार्यक्रम होने, सहयोग को बढ़ावा देने और दुनिया भर के पेशेवरों के बीच ज्ञान के आदान–प्रदान को बढ़ावा देने का वादा करती है। शीर्ष विशेषज्ञों और प्रतिनिधियों के एक बड़े दर्शक वर्ग की भागीदारी के साथ, कांग्रेस का लक्ष्य मौखिक प्रत्यारोपण विज्ञान के क्षेत्र को आगे बढ़ाना है, जिससे चिकित्सकों और रोगियों दोनों को लाभ होगा।

मुख्य विशेषताएं

400 से अधिक प्रतिनिधियों की भागीदारी

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों वक्ता

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, चिकित्सा शिक्षा मंत्री ब्रजेश पाठक द्वारा उद्घाटन

मौखिक प्रत्यारोपण

विज्ञान में नवीनतम नवाचारों पर ध्यान केंद्रित करने वाले व्यापक सत्र

ओरल इम्प्लांटोलॉजी अकादमी की XIII अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस ओरल इम्प्लांटोलॉजी में प्रगति पर चर्चा करने और रोगी परिणामों में सुधार पर विचारों के आदान–प्रदान के लिए एक गतिशील मंच के रूप में काम करेगी। इस अवसर पर डॉक्टर अमृत टंडन,डॉक्टर सीपी तिवारी, डॉ मोहम्मद शाहिक, डॉक्टर शाहनवाज खान, डॉ विजय विश्वकर्मा, डॉ सुबोध नातु, केजीएमयू के डॉक्टर जितेंद्र राव, डॉक्टर के के अग्रवाल सहित सैकड़ो चिकित्सक उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति के तर्ज पर लखनऊ में पहली बार हुआ श्री कृष्णा जन्मोत्सव का आयोजन

मृत्युंजय प्रताप सिंह

श्री कृष्ण जन्माष्टमी से पहले लखनऊ में पहली बार मिशन शक्ति की थीम पर नारी सुरक्षा, सम्मना और स्वावलंबन की सोच को लेकर कृष्ण जन्मोत्सव कार्यक्रम का

आयोजन किया गया। कोई रेखा की अदाएं लिए था तो कोई अन्य अभिनेत्रियों की स्टाइल में आया था। दीपिका,आशा पारिख, करीना का भी अंदाज लिए एक – एक कर रैंपवॉक करती बिजनेस कनेक्ट लखनऊ के साथ लखनऊ की विभिन्न आरडब्ल्यूए की महिलाएं शनिवार को आयोजित कृष्ण जन्मोत्सव कार्यक्रम में देखने को मिली । वन्डर वर्क इवेंट्स की तरफ से आयोजित रंगारंग कार्यक्रम में महिलाओं ने रंग में रंग भर दिया। कार्यक्रम मिशन शक्ति की थीम पर रहा । इस दौरान किसी ने अपनी पसंदीदा अभिनेत्री की एक्टिंग की तो किसी ने अपना पसंदीदा कृष्णा की गीत गाकर माहौल को खुशनुमा बनाया । इसके बाद शुरू हुआ बॉलीवुड और कृष्ण जन्मोत्सव गीतों पर डांस का सिलसिला काफी देर तक जारी रहा । दूरदर्शन केन्द्र लखनऊ की पूर्व कार्यक्रम प्रमुख रमा अरुण त्रिवेदी ने महिलाओं को नारी सुरक्षा, नारी स्वावलंबन और नारी सम्मान पर विस्तार से चर्चा की। उन्होने कहा महिलाओं को कुछ समय खुद को देना चाहिए, उन्होंने कहा इस तरह का कार्यक्रम महिलाओं को खुद के व्यक्तित्व को निखारने का एक सबसे बड़ा जरिया है। वही महिलाओं की सेहत कैसे सही रहे, खानपान कैसे सुधारा जाय के मुद्दे पर भी महिलाओ को जागरूक किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पारुल दुबे ने किया था जिसमे बीसीएल के साथ साथ लखनऊ जनकल्याण महासमिति और विभिन्न आरडब्ल्यूए की महिला टीम ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन पारुल दुबे ने किया जो पूरे कार्यक्रम को एक दूसरे को जोड़कर रखी रही। जूरी सदस्य रामा अरुण त्रिवेदी पूर्व कार्यक्रम प्रमुख दूरदर्शन केंद्र लखनऊ,डॉ.दीप्ति जैन भल्ला,पायल श्रीवास्तव,मालिक और निदेशक पायल मेकओवर,तरुणा भास्कर, मालिक और निदेशक माइटी माइंड्स प्ले स्कूल, पूजा अंकुश राजा ज्वैलर्स और नक्षत्र लॉन एंड होटल्स की मालिक।

पुलिस की लापरवाही के चलते मिल्कीपुर सर्किल में अपराध का ग्राफ बढ़ा

अयोध्या। जिले के मिल्कीपुर सर्किल क्षेत्र की पुलिस सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भले ही कितने दावे कर ले परंतु हकीकत कुछ और ही देखने को मिलती है ।इस क्षेत्र की महिलाएं अपने आपको सुरक्षित महसूस नहीं करती। आए दिन कोई न कोई घटनाएं हो रही हैं। ऐसे में कई कई दिनों तक लोगों को थाना वा चौकियों के चक्कर लगाने ही पड़ते हैं। यह कार्यशैली सीओ मिल्कीपुर क्षेत्र की पुलिस की लापरवाही उजागर करती है। सरेआम महिलाओं के साथ छेड़छाड़ वा मारपीट किया जाता है। अभी पिछले हफ्ते में ही थाना इनायतनगर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत मजनाई में एक युवक ने फुकनी से पीट पीटकर अपनी मां की हत्या कर दिया था कि एक दिल दहला देने वाली घटना देखने को मिल रही है। थाना कुमारगंज क्षेत्र के दत्तीपुर कटघरा गांव निवासी अशोक कुमार 22 वर्ष का प्राथमिक विद्यालय कौराह के पास बाग में पेड़ से लटका शव मिला। शव को देख परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंचकर जांच में जुटी कुमारगंज पुलिस के मुताबिक शव को पंचनामा के बाद पोस्मार्टम के लिए भेजा गया।

महिला ने लगाया दो लोगो पर रेप करने का लगाया आरोप

जौनपुर ब्यूरो चीफ
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बरसठी थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला के साथ रेप करने का मामला प्रकाश में आया है। जिसमे पीड़िता ने गांव के ही दो लोगो पर रेप करने का पुलिस को शिकायत पत्र दी है। महिला कल अपने घर से गांव से थोड़ी दूर कजरी कार्यक्रम में सम्मिलित होने जा रही थी तभी गांव के दो लोग महिला को रास्ते में अकेला पाकर सुनसान जगह पर इस घटना को अंजाम दिया है। महिला ने आरोप लगाया है की गांव के विनोद यादव, व विकास पटेल ने मेरे साथ दुष्कर्म कर इस घटना को छुपाने की धमकी दी थी । महिला यह घटना की जानकारी अपने पति को दी तब परिजन पुलिस के पास महिला को लेकर आए और लिखित शिकायत पत्र दिए। पुलिस मामले की जांच में जुट गई और आरोपियों की तलाश में है। थाना प्रभारी कश्यप सिंह ने बताया की मामला संज्ञान में है महिला का मेडिकल कराया जा रहा है। पुलिस आरोपियों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर तलाश में लगी है। इस मामले में सोमवार को जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकार उमाशंकर सिंह ने बताया की थाना बरसठी पर पीड़िता द्वारा बताया गया कि कजरी का कार्यक्रम देख कर रात 11 बजे घर वापस जा रही थी कि रास्ते में दो लोगो विनोद यादव व विकाश पटेल द्वारा कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया गया व गलत काम किया गया।

प्राप्त तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओ में अभियोग पंजीकृत कर, दोनो आरोपियो को गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

बीकापुर शिक्षा क्षेत्र के 15 जर्जर परिषदीय स्कूलों की नीलामी अब 4 सितंबर को

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिले के बीकापुर में परिषदीय स्कूलों के जर्जर भवनों की नीलामी प्रक्रिया शुक्रवार को संपन्न नहीं हो सकी।खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिसर बीकापुर में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शुक्रवार को दोपहर जर्जर भवनों की नीलामी प्रक्रिया संपन्न होनी थी।।नीलामी प्रक्रिया में हिस्सा लेने के लिए सभी 15 परिषदीय स्कूलों के प्रधानाध्यापक और नीलामी में बोली लगाने के लिए एक दर्जन से अधिक लोग पहुंचे थे तथा नीलामी की बोली में हिस्सा लेने के लिए सिक्योरिटी राशि भी जमा की गई। लेकिन खंड शिक्षा अधिकारी के मौजूद न होने के चलते नीलामी प्रक्रिया संपन्न नहीं हो पाई।दोपहर 2 बजे के बाद नीलामी कमेटी में शामिल सहायक विकास अधिकारी पंचायत रवींद्र वर्मा द्वारा नीलामी प्रक्रिया स्थगित किए जाने की घोषणा की गई तथा नीलामी में हिस्सा लेने के लिए लोगों द्वारा जमा की गई धनी राशि भी वापस कर दी गई। बताया कि अगली तिथि 4 सितंबर निर्धारित की गई है।अब 4 सितंबर को नीलामी प्रक्रिया संपन्न की जाएगी।

जिलाधिकारी के निर्देश पर ब्लाक स्तर पर चलाया गया निराश्रित गोवंश संरक्षण अभियान

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह के निर्देश पर खण्ड विकास अधिकारी तारून द्वारा 55 निराश्रित गोवंशों को गौशाला परसावां महोला में संरक्षित करते हुये गौशाले का निरीक्षण किया गया तथा गौशाला की नियमित साफ सफाई हेतु केयर टेकर को निर्देशित किया गया एवं अपने सामने भूसे में चूनी चोकर भी डलवाया गया। इसी क्रम में विकासखण्ड बीकापुर के ग्राम पंचायत धरेठा दशरथपुर में आवारा पशुओं को संरक्षित कराया गया तथा विकासखण्ड हरिग्टनगंज के ग्राम पंचायत निमड़ी में खण्ड विकास अधिकारी, प्रधान, सचिव, ग्रामीणों के सहयोग से अस्थायी गौशाला निमड़ी में गौवंश संरक्षित कराये गये। खण्ड विकास अधिकारी पूराबाजार के द्वारा समस्त सचिवों एवं तकनीकी सहायकों की मनरेगा योजना, आवास, कायाकल्प, गौवंश संरक्षण आदि योजनाओं पर बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। विकासखण्ड अमानीगंज के ग्राम पंचायत रौतावां में डेंगू प्रभावित गांव में साफ सफाई इत्यादि कार्य कराये गये। इसी क्रम में विकासखण्ड मयाबाजार में खण्ड विकास अधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत अमसिन, बोधीपुर, धारूपुर, तिलोकपुर का भ्रमण एवं आंगनबाड़ी लर्निंग लैब, पेयजल यूनिट, बालमैत्री शौचालय, अन्नपूर्णा स्टोर निर्माण की प्रगति का निरीक्षण किया गया।

जिलाधिकारी के निर्देशों पर मुख्य विकास अधिकारी ऋषिराज ने जनपद के समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि प्रत्येक विकासखण्ड में ग्राम स्तर पर निराश्रित गौवंश संरक्षण अभियान चलाकर आवारा पशुओं को संरक्षित किया जाय तथा जिन ग्राम पंचायतों में डेंगू का प्रभाव बढ़ रहा है।

यह सम्भावना हो वहां पर एन्टीलार्वा का छिड़काव कराते हुये साफ सफाई सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही सभी पात्र लाभार्थियों को शासन की मंशा के अनुरूप संचालित योजनाओं से लाभान्वित किया जाय।

गुरु नानक एजुकेशन सोसाइटी में धूमधाम से मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। अयोध्या के रायबरेली रोड स्थित गुरु नानक एजुकेशन सोसाइटी में कृष्ण जन्माष्टमी मनाई गई। बच्चे श्री कृष्ण और राधा की वेशभूषा में सजधज कर पहुंचे। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा की और जन्मोत्सव की कथा सुनाई। बच्चों ने नृत्य के माध्यम से भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं को बिखरे। राधा और श्री कृष्ण बने बाल गोपालों ने सबका मन मोह लिया। नृत्य के माध्यम से श्री कृष्ण जन्माष्टमी की सुंदर झांकी भी प्रस्तुत की। कार्यक्रम में कक्षा नर्सरी, एलकेजी, यूकेजी के आरुष पाठक ,पूर्णिमा, अनन्या शामिल थे। विद्यालय के संस्थापक विशी छाबड़ा, एडमिनिस्ट्रेटर आदित्य कुमार मल, शिक्षकों में साधना शर्मा, नीलम पाण्डेय,माया तिवारी आदि ने भी सहयोग किया।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी एवं अन्य त्योहारो को लेकर महापौर की अध्यक्षता में हुई बैठक

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। नगर निगम के तिलक हाल में महापौर गिरीश पति त्रिपाठी की अध्यक्षता में तथा केंद्रीय दुर्गा पूजा एवं रामलीला समन्वय समिति के अध्यक्ष मनोज जायसवाल की उपस्थिति में बैठक सम्पन्न हुई। आगामी 26 अगस्त से प्रारंभ होने वाले श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पर्व एवं 7 सितंबर से प्रारंभ होने वाले श्री गणेश महोत्सव पर्व की तैयारी के संबंध में नगर निगम के अधिकारियों तथा केंद्रीय समिति के पदाधिकारी और सभी सभी श्री कृष्ण जन्माष्टमी और श्री गणेश पूजा समिति के पदाधिकारी के बीच बैठक संपन्न हुई बैठक में विभिन्न आयोजन समिति से आए हुए पदाधिकारी ने अपने पूजा स्थल से संबंधित समस्याओं से महापौर को अवगत कराया।बैठक को संबोधित करते हुए महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि नगर निगम सदैव पर्व से संबंधित समस्याओं के निराकरण के लिए तत्पर रहेगा।प्रभु श्री राम की नगरी में आगामी पर्व बहुत ही धूमधाम से संपन्न कराए जाएंगे। जो भी सहयोग नगर निगम की तरफ से चाहिए होगा प्रत्येक समिति को पूरा सहयोग प्रदान किया जाएगा। समस्याओं का शत प्रतिशत निराकरण किया जाएगा।

माई मेंटर उड़ान 3.0- नए सफर की ओर

आपकी सफलता में ही हमारी सफलता है – डिप्टी सीएम बृजेश पाठक

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उड़ान 3.0 का तीसरा संस्करण आज एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुँचा जब 100 से अधिक छात्रों ने विदेश में अपनी उच्च शिक्षा के लिए अपने सफर की शुरुआत की। इन छात्रों को शुभकामनाएँ देने के लिए राज्य के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने उन्हें झंडी दिखाकर विदा किया। इस मोके पर लखनऊ के प्रतिष्ठित विद्यालयों के प्रधानाचार्य और प्रसिद्ध प्रोफेसर भी मोजूद रहे और छात्रों को अपनी शुभकामनाएं दी। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने इस अवसर पर छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा, "आप सभी की मेहनत और समर्पण ने आपको इस मुकाम तक पहुँचाया है। अब आप विदेश में जाकर अपने देश का नाम रोशन करेंगे। आपकी सफलता में ही हमारी सफलता है। इस साल उड़ान 3.0 ने छात्रों को विशेष सहायता प्रदान की है ताकि वे अपने अंतरराष्ट्रीय अध्ययन के सपनों को साकार कर सकें। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को विदेश में शिक्षा के लिए तैयार करना और उन्हें समर्थन देना है, ताकि वे वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना सकें। उड़ान 3.0 के तहत, छात्रों को न केवल विदेशों में उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान किए गए हैं, बल्कि उन्हें उस यात्रा के लिए आवश्यक संसाधन और मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया गया है। इस कार्यक्रम की सफलता ने यह साबित कर दिया है कि सही दिशा और समर्थन के साथ युवा अपनी क्षमताओं को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकते हैं। आज के इस महत्वपूर्ण आयोजन में शामिल सभी छात्रों को उनके नए सफर के लिए ढेर सारी शुभकामनाएँ। उम्मीद है कि वे विदेश में अपने अनुभवों और शिक्षा से न केवल अपने जीवन को नया दिशा देंगे, बल्कि अपने देश का नाम भी गर्व से ऊँचा करे। इस मोके पर My Mentor के संस्थापक श्री अनूप अग्रवाल और श्रीमती जया अग्रवाल ने छात्रों को अपनी शुभ कामना देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नल से पानी पहुंचा हर घर, जेई और एईएस हुआ छू–मंतर

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। साल था 2005, पूर्वांचल में जपानी एन्सेफलाइटिस (जेई) और एक्यूट एन्सेफलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) से बच्चों की मौत ने देश की संसद को हिला दिया था। इस एक साल में 6000 से ज्यादा बच्चे इसकी चपेट में आए, जिनमें से 1400 से ज्यादा की मौत हो गई थी। मामला संसद में उठा तो इसके लिए नीति बनी और तमाम प्रयास हुए, लेकिन साल 2017 आते–आते जेई और एईएस से मौतों का आंकड़ा 50 हजार के पार हो गया था। लेकिन अब दौर बदल गया है। बीते दो साल में केवल बहराइच और कुशीनगर में एक–एक मौत दर्ज की गई है। इसके अलावा कहीं भी जेई से कोई मौत नहीं हुई। एईएस के मामलों में भी 99 प्रतिशत तक की कमी दर्ज की गई है। इसकी एक अहम वजह है श्जल क्रांतिश। हर घर में नलों से पहुंचता साफ पानी इस भयावह बीमारी के नियंत्रित होने का अहम कारण है। नमामि गंगे के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बताया, ष्साल 1978 में उत्तर प्रदेश में जेई का पहला मामला दर्ज किया गया था। शुरुआती दो दशकों में इस बीमारी की चपेट में आने वाले लोगों में से 30 प्रतिशत से ज्यादा की मौत हो जाती थी। खास बात यह है कि इसका प्रभाव क्षेत्र पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिले थे और प्रभावितों में सबसे ज्यादा संख्या बच्चों की थी। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक क्यूलेक्स प्रजाति के मच्छरों के काटने की वजह से व्यक्ति जेई से ग्रसित होता है जबकि एईएस दिमागी बुखार है। मच्छरों के काटने से होने वाली बीमारी को देखते हुए प्रदेश सरकार ने क्षेत्र को साफ–सुथरा रखने और शुद्ध पानी पहुंचाने की योजना बनाई। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग ने टीकाकरण अभियान तेज किया। साफ पानी पहुंचाने की नीति को अंजाम दिया गया जल जीवन मिशन की श्हर घर नल से जलश योजना से। चूंकि मामला गंभीर था और सरकार की प्राथमिकता भी, इसलिए प्रभावित जिलों में नल से जानी पहुंचाने की मुहिम को बेहद तेज गति दी गई। जल जीवन मिशन के मुताबिक प्रभावित जिलों में 85 से लेकर 92 प्रतिशत तक घरों में टैप वॉटर पहुंचाया जा चुका है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक साफ पानी की आसान उपलब्धता ने पानी से फैलने वाले संक्रमण की संभावनाओं को कम किया है और इसके अलावा लोगों को हाइड्रेटेड रहने में मदद मिली है। इससे उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत हुई है। जेई और एईएस जैसी बीमारियों से लड़ने यह भी एक अहम पहलू रहा है। जल जीवन मिशन के मुताबिक जल्द ही इन क्षेत्रों के सभी 100 प्रतिशत घरों में टैप वॉटर की पहुंच होगी, जिसकी गुणवत्ता भी अच्छी होगी। साफ पानी की उपलब्धता से बीमारियों के फैलने की सम्भावना कम हुई है। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार ने भी इन जानलेवा बीमारियों को नियंत्रित करने में मदद की है। जल्द ही हम 100 प्रतिशत घरों में टैप वॉटर पहुंचाने का लक्ष्य पूरा कर लेंगे। साफ पानी स्वस्थ जीवन की प्राथमिक आवश्यकता है। हम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कटिबद्ध हैं।

लेबरों को बढ़ाने के लिए ट्रस्ट ने राजस्थान के ठेकेदार से किया संपर्क

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। तीन दिवसीय भवन निर्माण समिति की बैठक में अयोध्या पहुंचे भवन निर्माण समिति अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने मंदिर निर्माण में लगे श्रमिकों पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि हम प्रयास कर रहे हैं कि अधिकतर पत्थरों से संबंधित कार्य करने वाले लेबर राजस्थान में मिलते हैं ।इसलिए वहां के लेबरों के साथ साथ कांट्रेक्टरो से संपर्क किया जा रहा है ।राजस्थान से अयोध्या की दूरी अधिक होने के कारण समस्या उत्पन्न हो रही है परंतु हम भी प्रयास करेंगे कि वहां से आये लेबरों को भी घर जैसा माहौल यहां मिले ।सप्त मंदिर के निर्माण को लेकर उन्होंने कहा कि सप्त मंदिर की प्रगति अच्छी है उसमें जो मूर्तियां लगनी है वह अक्टूबर तक आ जाएगी।

उन्होंने कहा की रक्षा मंत्रालय की एक संस्था है मिधानी जिन्होंने हमें कांसा सप्लाई किया है ।क्योंकि वह सबसे अच्छा कांसा बनाने वाली कंपनी है ।मंदिर के परकोटे में जो 6 और 4 फीट के 90 खंभे बनेंगे उसमें लगाए जाते ।लेकिन कंपनी ने अनुभव किया कि इससे मजबूत एक धातु टाइटेनियम होती है जो पनडुब्बी बनाने में इस्तेमाल होती है ।उससे ज्यादा मजबूत कोई धातु नहीं होती है। टाइटेनियम चाहे पानी में हो चाहे पहाड़ो में हो चाहे समुद्र में हो वह अपनी यथा स्थिति में रहती है ।संस्था ने प्रभु श्री राम में अपनी आस्था दिखाते हुए टाइटेनियम से बना हुआ राम दरबार ट्रस्ट को दिया है। ट्रस्ट ने उसे स्वीकार कर लिया है और ट्रस्ट के सदस्यों का संकेत यह था कि मंदिर के प्रथम तल पर जहां राम दरबार संगमरमर से बनेगा उसी के साथ टाइटेनियम के राम दरबार को भी पूरे सम्मान के साथ पूरी निष्ठा पूरी श्रद्धा के साथ रखा जाएगा। इसके साथ–साथ एक और महत्वपूर्ण बात है कि जो भी मंदिर के कार्य होते जा रहे हैं हम उसे ट्रस्ट को हैंडोवर करते जा रहे हैं जिससे पूरे हुए कार्य की सभी जिम्मेदारी अब ट्रस्ट की होगी इस संख्या में जो सब स्टेशन है जो एसटीपी है यह सब पूर्ण हो रहा है इसके साथ–साथ एक महीने में श्रद्धालु सुविधा केंद्र भी ट्रस्ट को हैंडओवर कर दिया जाएगा।

कुबेर टीला भी लगभग 1 माह में पूरा हो जाएगा पूर्ण रूप से तैयार हो गया है लेकिन अभी छोटी–मोटी चीज बची है शिव मंदिर में थोड़ा कार्य और किया जाना बाकी है वह भी जल्दी से पूरा कर ट्रस्ट को हैंडओवर कर दिया जाएगा उन्होंने कहा कि परकोटा मुख्य रूप से राजकीय निर्माण निगम के द्वारा ऑडिटोरियम निर्माण अभी शुरू हुआ है परकोटा और मंदिर के मूर्तिकार जो काम कर रहे हैं

दिसंबर के बाद हम आशा करते हैं की मुख्य रूप से उसी की समीक्षा की जाएगी। मंदिर निर्माण को 2024 तक पूर्ण करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि हमने यह टारगेट मानसिक रूप से लिया है कि हमें इस तय सीमा में कार्य को पूरा करना है परंतु अब यह जून 2025 तक पूरा होगा या एक दो महीने और बढ़ सकते हैं क्योंकि मौसम भी अनुकूल नहीं है अप्रैल में जून में गर्मी हुई अब बरसात है और इसके साथ–साथ त्योहार का सीजन है जिसमें लेबर अपने घरों को जाएंगे जो हमारे लिए चुनौती पूर्ण है लेकिन तय सीमा में यह कार्य पूरा हो जाएगा।

मंदिर परिसर के बाहर बनने वाले चार गेट को लेकर उन्होंने कहा कि एक गेट पर यदि कार्य होगा तो दूसरे गेट से श्रद्धालु और जो निर्माण के लिए वाहन आएंगे उनका आवागमन होगा जिसका टेंडर राजकीय निर्माण निगम से जारी हो गया है इसके साथ–साथ ऑडिटोरियम और संग्रहालय उसका भी टेंडर जारी हो चुका है। राजकीय निर्माण निगम को जो लक्ष्य दिया गया है उसके हिसाब से वह कार्य कर रहा है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक **देश की उपासना**

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।